श्री महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

14 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष 14 अंक 25 | उज्जैन, मंगलवार 4 जुलाई 2023 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

आगे बढ़ने वाला व्यक्ति रास्ते में किसी को चोट नहीं पहुंचाता है और जो चोट पहुंचाता है वह आगे नहीं बढ़ पाता है।

न्यूज ब्रीफ

आर्टिकल 370 पर सुनवाई करेंगे सीजेआई, चंद्रचूड़ ने बनाई नई संवैधानिक बेंच, सुनवाई 11 जुलाई को

नई दिल्ली/जीएनएस। आर्टिकल 370 के विरोध में दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने फिर से सुनवाई करने का मन बना लिया है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने इसके लिए एक नई संवैधानिक बेंच का गठन किया है। 11 जुलाई को नई बेंच सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने आखिरी बार दिसंबर, 2019 में आर्टिकल 370 के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई की थी। दो मार्च, 2020 के बाद से सुप्रीम कोर्ट में ये केस लिस्ट तक नहीं हो सका है। आर्टिकल 370 को लेकर केंद्र ने अगस्त 2019 में नोटिफिकेशन जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट में ये मामला गया तो दिसंबर, 2019 में सुनवाई की गई। तब पांच जजों की बेंच के पास ये केस गया था।उस समय ये सवाल उठा था कि क्या इस मसले को संवैधानिक बेंच के पास भेजा जाए, क्योंकि प्रेमनाथ कौल बनाम संपथ प्रकाश मामले में दो विभिन्न मत देखने को मिले थे। आखिरी बार ये केस दो मार्च, 2020 को लिस्ट हुआ था। तब फैसला हुआ था कि इस मामले को बड़ी बेंच के पास भेजने की कोई तुक नहीं फिलहाल जो बेंच 11 जुलाई को मामले की सुनवाई करेगी, उसमें सीजेआई के अलावा जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत शामिल हैं। दो मार्च, 2020 के बाद इस मामले का सुप्रीम कोर्ट में कई दफा जिक्र हुआ, लेकिन इसे लिस्ट करने को लेकर कभी कोई पुख्ता बात सामने नहीं आई। एनवी रमना सीजेआई थे, तो उन्होंने इस केस को लिस्ट कराने के मामले में कभी कोई ठोस जवाब नहीं दिया।

मोदी कैबिनेट में फेरबदल पर मंथन, प्रगति मैदान में चार घंटे तक चली बैठक

नई दिल्ली/जीएनएस। दिल्ली के प्रगति मैदान में सोमवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई यह मीटिंग करीब चार घंटे तक चली, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, अनुराग ठाकुर, जी किशन रेड्डी समेत कई मंत्री मौजूद रहे। बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व की कई दौर की बैठकों के बाद केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल की संभावना को लेकर जारी चर्चाओं के बीच यह बैठक हुई है। सभी मंत्रियों से उनके काम का ब्यौरा मांगा गया। साथ ही इसी महीने शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र और यूसीसी को लेकर चर्चा भी हुई है। शीर्ष नेतृत्व की कई दौर की बैठकों के बाद केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल की संभावना को लेकर जारी चर्चाओं के बीच ये बैठक हुई है। एनसीपी के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल को एक संभावित दावेदार के रूप में देखा जा रहा है।

परमाणु मिसाइल सागरिका की टेस्टिंग; डीआरडीओ ने किया डिजाइन, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड ने बनाया

नई दिल्ली/जीएनएस। भारत की परमाणु मिसाइलों में से एक के-15 सागरिका मिसाइल का हाल ही में सफल परीक्षण किया गया। यह परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। पनडुब्बी से दागी जाने वाली इस मिसाइल की रेंज 750-1500 किलोमीटर है। भारतीय सेना के पास इसके दो वैरिएंट्स मौजूद हैं। पहली जमीन से दागी जाने वाली मिसाइल। दूसरी पनडुब्बी से दागी जाती है। इसके अलावा दो वैरिएंट्स बनाए जा रहे है। फिलहाल इसका इस्तेमाल भारतीय नौसेना ही कर रही है। इसे डीआरडीओ ने डिजाइन किया है, जबकि भारत डायनेमिक्स लिमिटेड ने इसे बनाया है। इसकी गति इसे बेहद मारक बनाती है। यह 9,500 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से दुश्मन की ओर बढ़ती है। इस मिसाइल का वजन 6-7 टन होता है। लंबाई 33 फुट और व्यास 2.4 फुट है। यह उच्च तीव्रता का विस्फोटक या परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। इसका दूसरा खतरनाक जमीनी वर्जन है शौर्य। यह एक हाइपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मीडियम रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है।

जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में रोजगार सहायक-आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका-मुख्यमंत्री चौहान

मुख्यमंत्री को अभिनंदन-पत्र भेंट कर आभार व्यक्त किया गया

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में रोजगार सहायक, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार ने उनकी उल्लेखनीय सेवाओं को देखते हुए हाल ही में उनके हितों में अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिये हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज नरसिंहपुर जिले के तेंदूखेड़ा में आँगनवाड़ी और रोजगार सहायकों के संगठन के प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. विश्वास कैलाश सारंग, पूर्व मंत्री श्री रामपाल सिंह और श्रीमती साधना सिंह भी मौजूद थी।

मुख्यमंत्री को भेंट किया गया अभिनंदन-पत्र

तेंदूखेड़ा के मंडी प्रांगण में रोजगार सहायक, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं के संगठन ने हाल ही में मुख्यमंत्री द्वारा उनके हितों में की गई घोषणाओं के संदर्भ में उन्हें अभिनंदन-पत्र और स्मृति-चिन्ह भेंट किया।

मुख्यमंत्री का लाड़ली बहनों ने किया स्वागत

मुख्यमंत्री श्री चौहान का तेंदूखेड़ा के ग्राम हीरापुर, उमरपानी, भूरासुन्हेटी, टेकापार, ग्वारी तिराहा, मनकापुर तिराहा, भामा और अन्य स्थानों पर लाड़ली बहनाओं ने जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्राम भामा में ग्रामीणों की माँग पर शासकीय हाई स्कूल को हायर सेकण्डरी स्कूल में परिवर्तित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये संकल्पित है। इसी के अनुरूप मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना लागू की गई है। इस योजना में पात्र बहनों के खाते में हर माह की 10 तारीख को नियमित रूप से 1000 रूपये की राशि अंतरित होती रहेगी। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ अब 21 वर्ष की विवाहित महिलाओं को भी मिलेगा। इसके लिये जल्द ही पोर्टल शुरू किया जाएगा।

जन-सेवा मित्रों से संवाद

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जन-सेवा मित्रों से संवाद किया। उन्होंने शिवानी विश्वकर्मा से लोगों की राय जानी। शिवानी ने बताया कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में मील का पत्थर साबित हो रही है। जन-सेवा मित्र राज्य शासन की योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने घोषणाओं का किया उल्लेख

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जन-समुदाय को बताया कि आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय प्रतिमाह 10 हजार से बढ़ा कर 13 हजार रूपये किया गया है। मानदेय में इन्सेन्टिव के रूप में 1000 रूपये की वृद्धि प्रति वर्ष की जायेगी। मिनी आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 6500 रूपये प्रतिमाह मानदेय दिया जायेगा। सहायिका से आँगनवाड़ी कार्यकर्ता पर पदोन्नति के लिये 50 प्रतिशत पद आरक्षित होंगे। उन्होंने कहा कि आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सेवानिवृत्त होने पर एक मुश्त एक लाख 25 हजार रूपये और सहायिकाओं को एक लाख रूपये उपलब्ध कराये जायेंगे। आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका का शासकीय कर्मचारियों की तरह 5 लाख रूपये का स्वास्थ्य और दुर्घटना बीमा कराया जाएगा।

रोजगार सहायक के हितों में की गई घोषणा का उल्लेख

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने संबोधन में पिछले दिनों रोजगार सहायकों के हितों में की गई घोषणाओं का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि रोजगार सहायक को 9 हजार रूपये मासिक मानदेय के स्थान पर 18 हजार रूपये, सामान्य अवकाश सहित प्रसूति अवकाश, मातृत्व अवकाश के साथ ही पितृत्व अवकाश दिया जायेगा। पंचायत सचिव की नियुक्ति में 50 प्रतिशत स्थान रोजगार सहायकों के लिये सुरक्षित रहेंगे।

तत्काल मिली 2 लाख रूपये की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने भ्रमण के दौरान श्रीमती जीरा बाई से संवाद किया। श्रीमती जीरा बाई ने बताया कि पिछले एक साल में उनके पति एवं 2 बच्चों का देहान्त हो चुका है। घर में अब कमाई का कोई जरिया नहीं है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संवेदनशीलता दिखाते हुए श्रीमती जीरा बाई को तत्काल 2 लाख रूपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिये। जिस पर रेडक्रॉस की ओर से 2 लाख रूपये की सहायता जीरा बाई को प्रदान कर दी गई।

भारत में 6जी जल्द लाने की तैयारी शुरू, अश्विनी वैष्णव ने लांच किया 6जी एलाइंस, 2030 तक लाने का प्रयास

टेलीकॉम मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लांच किया 6जी एलाइंस, 2030 तक लाने का प्रयास

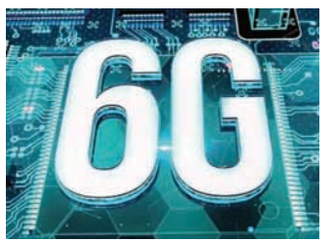

नई दिल्ली/जीएनएस। भारत में अब 6जी लाने की तैयारी तेज हो गई हैं। सोमवार को टेलीकॉम मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 6जी को लेकर नए एलाइंस की शुरुआत की। ये एलाइंस भारत में नई टेलिकॉम तकनीक और 6जी के विकास के लिए काम करेगा। नेक्स्ट जनरेशन की इस तकनीक को लाने के लिए भारत समय रहते तैयारी करना चाहता है, ताकि अन्य देशों में आने वाली तकनीक पर निर्भरता को कम किया जा सके। साथ ही वह इन तकनीक के निर्यात में भी अहम भूमिका अदा करना चाहता है। 6जी एलाइंस सार्वजनिक सेक्टर, प्राइवेट सेक्टर और अन्य विभाग का गठजोड़ है। इसमें सभी 6जी को आगे बढ़ाने के लिए अपना योगदान देंगे। साथ ही नए आइडियो के साथ इसे बेहतर बनाया जाएगा। इसमें नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट एंड साइंस ऑर्गेनाइजेशन का भी साथ होगा। दरअसल टेस्ट बेड्स में किसी भी टेक्नोलॉजी को लांच से पहले टेस्ट किया जाता हैाये एक तरह का ट्रायल होता है, जो लांच से काफी पहले किया जाता है। बहरहाल अभी देश भर में 5जी पूरी तरह से नहीं आ सका है। कंपनियों में 5जी रोलआउट तो कर दिया है, लेकिन हर किसी को 5जी नहीं मिल पा रहा है, इसलिए अभी ये कहना है कि 6जी की तैयारी हो रही है थोड़ी जल्दबाजी भी होगी। 6जी एलाइंस के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए विजन को पूरा करना है। भारत में 2030 तक 6जी को पेश करना है, ताकि भारत दुनिया के अन्य देशों के साथ कदम से कदम मिला सके।

भारत के पास 127 पेटेंट

मंत्री अश्विनी वैष्णव मार्च महीने के दौरान बता चुके हैं कि भारत के पास 6जी के लिए 127 पेटेंट मौजूद हैं। इससे भारत को 6जी के सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

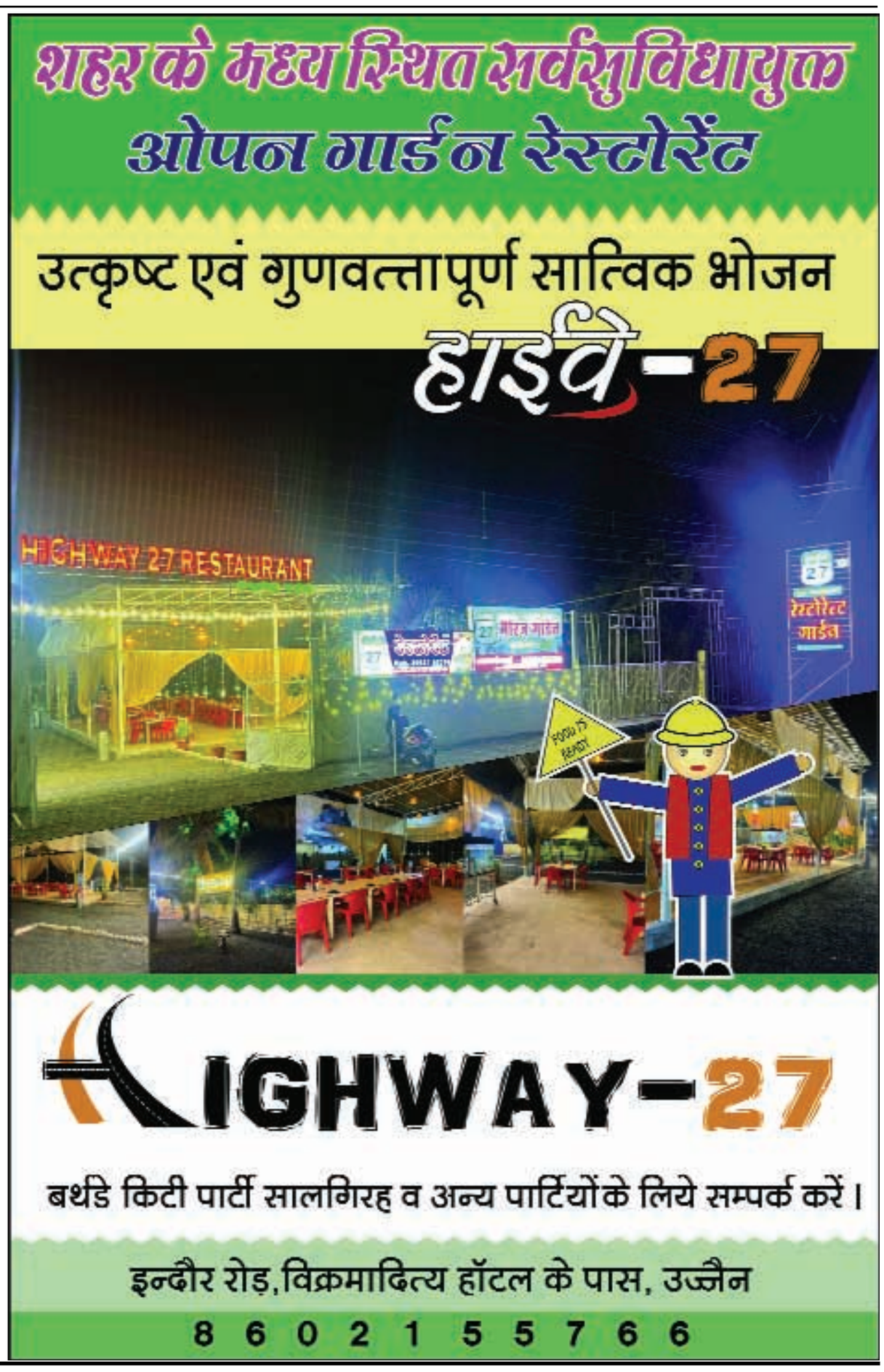

यूसीसी पर उठे सवाल; संसदीय समिति की बैठक में विपक्ष ने दिखाए तेवर, बताया संविधान के खिलाफ

संसदीय समिति की अहम बैठक में विपक्ष ने दिखाए तेवर, बताया संविधान के खिलाफ

नई दिल्ली/जीएनएस। समान नागरिक संहिता यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर देश भर में जारी बहस के बीच सोमवार को कानून मंत्रालय की संसदीय समिति की अहम बैठक हुई। इसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसद शामिल हुए। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। इसमें लॉ कमीशन, भारत सरकार के प्रतिनिधियों को बुलाया गया था। बैठक में यूसीसी क्या है और कितना जरूरी है इसे लेकर चर्चा की गई। कमेटी के सदस्यों से इस पर सवाल किए गए। सुशील मोदी ने बैठक में पूर्वोत्तर और अन्य क्षेत्रों के आदिवासियों को किसी भी संभावित समान नागरिक संहिता के दायरे से बाहर रखने की वकालत की। बैठक में शिवसेना (उद्धव गुट) के संजय राउत, कांग्रेस के विवेक तन्खा के अलावा टीएमसी, डीएमके समेत कई विपक्षा पार्टियों के नेता मौजूद थे। उन्होंने लॉ कमीशन के इस कदम पर सवाल उठाते हुए इस पर चर्चा करने की बात कही। बैठक में कुछ विपक्षों दलों ने यूसीसी को संविधान के खिलाफ बताया।

उन्होंने कहा कि यह संविधान की 6वीं अनुसूची के तहत कुछ पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों को दी गई कुछ गारंटी को नुकसान पहुंचाएगा। इसके जवाब में सुशील मोदी ने कहा कि इस छूट पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने पूर्वोत्तर की जनजातियों

और अन्य क्षेत्रों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखने के प्रस्ताव पर सहमति जताई। कांग्रेस और डीएमके समेत ज्यादातर विपक्षी दलों ने यूसीसी का मुद्दा उठाने की सरकार की टाइमिंग पर सवाल उठाए। कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा और डीएमके सांसद पी विल्सन ने बैठक में लिखित बयान पेश किए, जिसमें उन्होंने यूसीसी को अगले साल होने वाली लोकसभा चुनाव से जोड़ा। भाजपा सांसद महेश जेठमलानी ने मीटिंग में संविधान सभा में हुई बहस का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इसे हमेशा अनिवार्य माना गया है।

फैसला से पहले चिंताओं पर ध्यान देने की जरूरत

शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि कई देशों में समान नागरिक कानून की व्यवस्था लागू है, लेकिन इस पर कोई फैसला लेने से पहले विभिन्न समुदायों और क्षेत्रों की चिंताओं पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने भी इस मुद्दे पर सुझाव मांगने के समय पर सवाल उठाए।

हिन्दु जागरण मंच मालवा प्रांत तीन दिवसीय अभ्यास वर्ग का समापन हुआ

आगामी कार्यक्रम को लेकर बनाई रूपरेखा

नागदा /दैनिक मालवा हेराल्ड। हिन्दु जागरण मंच मालवा प्रांत के तीन दिवसीय अभ्यास वर्ग 30 जून से 2 जुलाई का समापन स्थानीय रांगोली गार्डन में रविवार को हुआ। अभ्यास वर्ग मालवा प्रांत का था जिसमें 28 जिलो के पदाधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर अखिल भारतीय संगठक अशोक प्रभाकर का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अभ्यास वर्ग के दौरान क्षेत्र एवं अखिल भारतीय अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को कार्य करने के दिशा-निर्देश प्रदान किए।

उक्त जानकारी देते हुए हिन्दु जागरण मंच के जिला संयोजक गोपाल पाटीदार एवं कार्यक्रम संयोजक दिपक चौधरी ने बताया कि तीन दिवसीय अभ्यास वर्ग में हिन्दु जागरण मंच के 5 कार्यो एवं 8 आयामों पर चर्चा की गई। इस मौके पर अखिल भारतीय सहसंगठक देवेन्द्रजी के अलावा क्षेत्रिय संगठक मनीष उपाध्याय एवं मालवा प्रांत संगठक राजेश भार्गव, मालवा प्रांत संयोजक भेरूलाल टाक मंचासीन रहे। इस मौके पर प्रांत एवं जिले के पदाधिकारी की घोषणा की गई।

अभ्यास वर्ग में दिखा सामाजिक समरसता का भाव

श्री पाटीदार एवं श्री चौधरी ने बताया कि यहॉ समरसता का भाव लेकर जैन समाज के प्रमुख एवं सिक्ख समाज, अभा बलाई समाज के अलावा वाल्मीकी समाज के बंधुओं द्वारा भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली एवं कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर प्रांत सह संयोजक दिपक शर्मा खरगोन, प्रांत सह संयोजिका चित्रा दीदी इन्दौर, संजय भाटिया इन्दौर, जीवन प्रजापति, आशीष बसु धार, नेपालसिंह डोडिया जावरा, अर्जुनसिंह भदौरिया उज्जैन के अलावा प्रांत कार्यकारिणी एवं जिले के पदाधिकारी एवं बडी संख्या में संगठन पदाधिकारी मौजुद थे।

इनकी हुई घोषणा

हिंदु जागरण मंच के प्रांत संयोजक भेरूलाल टाक ने ओमप्रकाश शर्मा मंदसौर को संपर्क आयाम की टोली सदस्य एवं भगवानसिह को प्रांत कार्यकारिणी सदस्य बनाया। वहीं धर्मेन्द्रसिह तंवर इंदौर को प्रांत में सुचना संग्रह के आयाम की टोली सदस्य के रूप में नियुक्त किया। इसी प्रकार जिले के विरेन्द्रसिह पाटीदार एवं कुमारी नदंनीय असौटिया को जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया। वहीं कन्नोज जिले से माखन पाटीदार एवं विरेन्द्र चौहान को भी जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया। देवास जिले से अनिल दुबे, किशन पटेल को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया। वहीं उज्जैन ग्रामीण से प्रधानसिह चौहान को जिला सहसंयोजक, ओम आंजना, अनिल को जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया। ापदा जिले से अजय जाटवा को जिला संयोजक एवं दिनेश गिरी एवं गोपाल सोनी को जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया। उज्जैन महानगर से राहुल सिसौदिया, कुं श्वेता परिहार, ओदश शिंदे को जिला कार्यकारिणी सदस्य में लिया गया। मंदसौर जिले से विजय बैरागी को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया। गरौढ जिले से लोकेद्रसिह राठौर एवं ईश्वरसिह गुर्जर को जिला सहसंयोजक नियुक्त किया। वहीं मोहन गुप्ता, जितेन्द्र लक्ष्कार, कुं निशा को जिला कार्यकारणी में नियुक्ती की। जावरा जिले से प्रशांत पहाडिया को जिला संयोजक, राघवेन्द्र सोलंकी आलोट को जिला सहसंयोजक के अलावा अभिषेक अग्रवाल एवं धर्मेन्द्र मालवीय जावरा को कार्यकारणी सदस्य में नियुक्त किया। रतलाम जिले के कार्तिक पाटीदार, राहुल सिसौदिया, अजय वकील को जिला कार्यकारिणी में नियुक्त किया। इसी प्रकार इंदौर के जगन्नाथ जिले से जिला संयोजक सचिन तोमर एवं जगदीश निगम को जिला कार्यकारणी सदस्य बनाया। वहीं खण्डवा जिले से रितेश कुशवाह एवं तेजस्वी को जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया। महु जिले से राहुल पांचाल एवं मनावर जिले से ओम प्रजापत को जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया।

लाल धागे वाले गुरूजी के सानिध्य में गुरू पुर्णिमा के अवसर पर हुए धार्मिक आयोजन

नागदा(यश सकलेचा)/दैनिक मालवा हेराल्ड। लगातार 14 वें वर्ष में गुरू पुर्णिमा के अवसर पर बालाजी भक्त मण्डल के तत्वावधान में राघवेन्द्र वल्लभ व्यास गुरूजी लाल धागे वाले के सानिध्य में विभिन्न धार्मिक आयोजन सम्पन्न हुए।

राजेन्द्र सोलंकी ने बताया कि टेलीफोन टॉवर के पास बुधवार को प्रातः से ही गुरू पुर्णिमा के अवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत गुरूजी के सानिध्य में गणेश वंदना के साथ की गई इसके पश्चात् सामुहिक हनुमान चालीसा का 108 पाठ उपस्थित श्रद्धालुओं के द्वारा किया गया। इस मौके पर भजन संध्या का शानदार आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम पश्चात् बालाजी महाराज की भव्य महाआरती का आयोजन किया गया जहां श्रद्धालुओं ने बड़ी उत्साह के साथ भाग लिया। महाआरती के पश्चात् महाप्रसादी का आयोजन रखा गया। गुरूपुर्णिमा के अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं के द्वारा गुरूजी का आशीर्वाद प्राप्त किया। ये रहे उपस्थित-पुर्व विधायक दिलीप सिंह शेखावत,बाबुदा गुर्जर, राजेश सकलेचा,अमित बम,शरद जैन,गुलजारीलाल त्रिवेदी,पुरालाल् पोरवाल, बसन्त मालपानी,रमेश पाल, ओमजी पण्डित, सुरेन्द्र सिंग राठोड, राजा कर्नावट, दिलीप चावड़ा, लोकेन्द्र कामरिया, भुनेश्वर शर्मा, गिरिश शर्मा,प्रशांत मेहता,शरद गुप्ता,राघवेन्द्र ठाकुर,सत्नारायण जोशी,ललित टेन्ट,लोकेन्द्र मेहता,हनुमानप्रसाद शर्मा,रामचरण अग्रवाल,धमेन्द्र गुप्ता,निलेश मेहता,सुनिल त्रिवेदी,सन्तोष कोलन,कमल जैन,कमल पोरवाल,कमल आर्य,मोनु कोलन,गोरव बागरेचा काफि तादाद मे श्रद्दालुजन उपस्थित थे। यह जानकारी राजेन्द्र सोलंकी ने दी ।

कृषि विभाग द्वारा प्रदत्त कृषि यंत्रों का वितरण किया

बड़नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत रणवा में कृषि विभाग द्वारा प्रदत्त कृषि यंत्र जिसमे फसल निराई के डोरे, विद्युत चलित स्प्रे पंप , 4 हासिया सेट प्रत्येक किसान को वितरित किए गए, चयनित किसानों ने ग्राम सेवक को पंचायत के माध्यम से आवेदन किया था, सरपंच महेन्द्र सिंह भाटी, ग्राम सेवक श्रद्धा कोचले व ग्रामीणों ने किसानों को यंत्र वितरित किए, 14 अनुसूचित जाति के किसानों ने आवेदन किए थे जिसमे सभी किसानों के आवेदन स्वीकृत हुए यंत्र पाकर किसानों ने अपनी खुशी जाहिर की व सरकार व कृषि विभाग का आभार प्रकट किया।

खुशियों की दास्तान

पिंकी ने मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की राशि से सिलाई मशीन खरीदी

झाबुआ// माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिंकी भाबोर बारिया फलिया, माधोपुरा की निवासी है। पिंकी ने मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का फॉर्म भरा था। जिससे उनके खाते में 1000 की राशि प्राप्त हुई। इन पैसों से पिंकी ने सिलाई मशीन किश्तों में खरीदी। पिकी हर महीने इन पैसों से मशीन की किश्ते भरेगी। सिलाई मशीन को आजीविका के रूप में उपयोग कर घर एवं बच्चों का पालन-पोषण करेगी। पिंकी कहती है यह 1000 रूपये उनके बहुत काम आएगे। इस योजना के लिए पिंकी मुख्यमंत्री को बहुत-बहुत धन्यवाद देती है और कहती है, यह 1000 की राशि उनके लिए बहुत मूल्यवान है। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की राशि महिलाओं के लिए सहायता के रूप में काम आएगी।

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर पंचामृत अभिषेक, पूजन एवं महाआरती कर प्रसादी वितरण का आयोजन किया

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड।श्री गणेश व्यायामशाला परिवार द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर श्री इच्छापूर्ण रणतभंवर गणेश मंदिर स्थित श्री आजाद मुनि बाबा की कुटिया पर गुरुदेव का पंचामृत अभिषेक, पूजन एवं महाआरती कर प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। साथ ही श्री इच्छापूर्ण रणत भंवर गणेश जी महाराज के श्री चरणों में श्री नानालाल जी चौधरी परिवार द्वारा छप्पन भोग का नेवेध लगा कर महाआरती की गई।

इस अवसर पर श्री गणेश व्यायामशाला के अध्यक्ष प्रह्लाद यादव एवं सदस्य लोकेंद्र सिंह पंवार, राजेश प्रजापति (पहलवान), वीरेंद्र सिंह पंवार, ओम गुर्जर, पंडित मनीष शर्मा, अजय गोयल, श्रीधर व्यास, चेतन यादव सुनील राव लाला आर्य मनोज जी बेरागी गौरांग माथुर, विशाल बैरागी, पियूष राठौड़, यश गुर्जर, इंद्रजीत सिंह पंवार आदि सदस्यगण व बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाआरती एवं प्रसादी का लाभ लिया।

कलाकार मिलन और सम्मान समारोह का आयोजन हुआ

अमझेरा/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर अमझेरा में स्वर्गीय पंडित कैलाशचन्द्र शर्मा की स्मृति में मंथन संस्था द्वारा कलाकार मिलन और सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजन ब्राह्मण समाज धर्मशाला में किया गया जिसमे मुख्य अतिथि जनक रामयानी, कमलाकान्त व्यास, श्याम शर्मा द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की उसके बाद छतीस कलाकारों को मोमेंटो के साथ सम्मान दिया गया और भजनों कि प्रस्तुती हुई जो देर रात तक चली कार्यक्रम में विजय दुबे, अंकित ब्रहम्भट द्वारा भजनों की जुगलबंदी की गई साथ ही उमेश सावले, गोपाल पारिक आदि के द्वारा भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी गई कार्यक्रम में शिवम गप्पा, आशीष वर्मा, हर्षित चौहान, आयुष संगरा, सचिन वैष्णव आदि मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन नवीन पंचोली ने किया और आभार मंथन संस्था के कौशल शर्मा ने व्यक्त किया।

संकल्पित 108 सुन्दरकांड पाठ की पूर्णाहूति आज हनुमान मंदिर के पुजारियो व अखाडों के संत का सम्मान होगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन अनंतनारायण मीणा मित्र मंडली, उज्जैन के तत्वावधान मे विगत 6 माह से किये जा रहे धार्मिक अनुष्ठान के तहत विश्व शांति व जन कल्याण की शुद्ध भावना के साथ शहर के विभिन्न हनुमान मंदिरों पर संगीतमय सुन्दरकांड पारायण सम्पन्न हुआ जिसका 108वां पाठ श्री गुमानदेव हनुमान मंदिर पिपलीनाका उज्जैन पर पूर्णाहूति होगी । संयोजक पुरूषोत्तम नागराज ने बताया कि दिनाक 4 जुलाई मंगलवार शाम 6.30 बजे से गुमानदेव हनुमान मंदिर पर पाठ की पूर्णाहूति होगी ।

गुरू पूर्णिमा के अवसर मॉ व बेटे ने की देह दान की घोषणा

जैएसजी नागदा ने पुर्ण किया रीजन का प्रकल्प

नागदा/दैनिक मालवा हेराल्ड। पाठ्य सामग्री एवं स्कूल बेग वितरण समारोह मे यशवंत(अनिल) धूपिया ने अपने उद्बोधन मे मरणोपरान्त देहदान करने की घोषणा कर बताया कि उनकी मातुश्री श्रीमती पुष्पा देवी धूपिया ने भी देहदान की घोषणा की है।

स्व. श्री पुखराजमल जी धूपिया की यादों को चिरस्थाई बनाए रखने के लिए धूपिया परिवार नागदा द्वारा लगातार तीसरे वर्ष सेवा कार्य के क्रम को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी शासकीय विद्यालय क्रमांक 1(मोदी खेल प्रशाल),नागदा में 125 जरुरतमंद बच्चो को पाठ्य सामग्री एवं स्कूल बेग का वितरण 3 जुलाई सोमवार को जैन सोश्यल ग्रुप, नागदा के तत्वावधान में किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप मे डॉ. सुनील चौधरी ,राजेंद्र कांठेड, एस.एम. सिसौदिया ,मुकेश धोका,शरद जैन व लाभार्थी परिवार से अनिल धूपिया, अरूण धूपिया मंचासीन थे। अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती को पुष्पमाला पहनाकर दीप प्रज्जवलित किया गया। सोशल ग्रुप के सदस्यों व स्कूल के प्राचार्य अशोक कुमार वाडिया द्वारा अतिथियों तथा लाभार्थी परिवार का बहुमान किया गया। जैन सोशल ग्रुप अध्यक्ष मनीष चपलोत सहित अतिथियों व स्कूल प्राचार्य वाडिया द्वारा उद्बोधन दिया गया।कार्यक्रम का संचालन श्री कांठेड व आभार सौरभ नागदा ने माना। ग्रुप के सदस्य ब्रजेश बोहरा ने बताया कि गुरू पूर्णिमा के अवसर स्कूल में सभी छात्र-छात्राएं अपनी खुशी का इजहार तालिया बजा कर रहे थे, जो देखने योग्य थी। गुरू एवं बड़ों के प्रति सम्मान का यह भाव बच्चों में निहित संस्कारों का ही रूप है, बचपन के ये संस्कार ही महत्वपूर्ण होते हैं।

जिला किसान कांग्रेस के महामंत्री पद पर भाई नौशाद शाह को नियुक्त किया

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ जी मध्य प्रदेश किसान के प्रदेश अध्यक्ष श्री दिनेश जी गुर्जर कि समिति एवं घटिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री रामलाल जी मालवीय जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष श्री कमल जी पटेल एवं कृषि समिति के सभापति श्री भंवर सिंह जी चौहान की अनुशंसा पर किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष श्री मुकेश जी गुर्जर द्वारा जिला किसान कांग्रेस के महामंत्री पद पर भाई नौशाद शाह को नियुक्त किया गया नियुक्ति पर सभी इष्ट मित्रों द्वारा बधाई दी गई।

बॉस्केटबॉल ग्राउंड पर मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कालिदास कन्या महाविद्यालय (पुराना माधव कॉलेज परिसर) स्थित बॉस्केटबॉल ग्राउंड पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया।इस अवसर पर दर्शन ठाकुर ने खेलप्रेमी खिलाड़ी बालक-बालिकाओं के साथ, बास्केटबॉल के गुरु, वरिष्ठ कोच विजय बाली का साफ़ा बांधकर, शाल श्रीफल भेंट कर पुष्प मालाएं पहनाकर, पुष्पवर्षा कर एवं बिल्वपत्र तुलसी व श्री कुबेर का पौधा भेंटकर भव्य सम्मान किया व आशीर्वाद प्राप्त किया।

सार समाचार

महिदपुर में ब्लड डोनेशन ग्रुप द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

महिदपुर /यश असावरा/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिदपुर में ब्लड डोनेशन ग्रुप द्वारा अलीशा मरीज गार्डन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के युवाओं,जनप्रतिनिधी व पुलिस कर्मियों द्वारा रक्तदान में भाग लिया गया व सभी ने बढ़ चढ़ के रक्तदान किया रक्तदान ग्रुप के आयोजनकर्ता द्वारा बताया गया कि पिछली बार 401 यूनिट ब्लड प्राप्त हुआ था जिसमे इस बार इस रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 701 यूनिट ब्लड प्राप्त हुआ गए जिसमे नगर व क्षेत्र के जनता द्वारा रक्तदान शिविर भाग ले कर रक्तदान किया गया साथ ही जनप्रतिनिधि भी इस शिविर में युवाओं का हौसला बढ़ाने पहुचे जिसमे जिला पंचायत सदस्य प्रतापसिंह आर्य व कांग्रेस के प्रदेश सचिव दिनेश जैन बोस भी मोजूद रहे है साथ ही ग्रुप के सदस्यों द्वारा बताया गया रक्तदान करने से कई लोगों को जिन्हें ब्लड की आवश्यकता होती है उन्हें समय पर ब्लड उपलब्ध हो पायेगा शिविर में उज्जैन,रतलाम व मंदसौर की डॉक्टर की टीम मौजूद रही।

प्रतिक मेहता विधि एवं मानवाधिकार विभाग के जिला अध्यक्ष नियुक्त

झाबुआ/माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश कांग्रेस विधि एवं मानवाधिकार विभाग प्रदेश अध्यक्ष शशांक शेखर ने पूर्व केंद्रीय मंत्री विधायक कांतिलाल भूरिया की अनुशंसा पर जिले के सक्रिय कॉन्ग्रेस नेता प्रतिक मेहता को मध्य प्रदेश कांग्रेस विधि एवं मानवाधिकार विभाग का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है नियुक्ति पश्चात प्रतीक मेहता ने कहा कि शीघ्र ही जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं पदाधिकारियों विधायक गणों ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गणों से विचार विमर्श कर कार्यकारिणी गठित की जाएगी और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए भरसक प्रयास किए जाएंगे इनकी नियुक्ति पर विधायक वीर सिंह भूरिया वाल सिंह मेडा युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका कांग्रेस महासचिव निर्मल मेहता जेवियर मेडा विजय भाभर आशीष भूरिया साबिर फिटवेल गौरव सक्सेना हेमचंद डामोर रूप सिंह डामोर गंगा मोहनिया यामीन शेख विनय भाभर बंटू अग्निहोत्री नंदलाल मेड मन्नालाल अजय वोहरा सलिल पठान पडियार नर्वेश आमलियार किलु भूरिया बबलू कटारा रोहित हटीला रशीद कुरेशी करीम शेख धूमा भाबर आदि नेताओं ने उन्हें बधाई दी व प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (P.M.E.G.P.)

झाबुआ/माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (P.M.E.G.P.) योजना प्रारम्भ की गई है। इस योजना का लाभ 18 वर्ष से अधिक आयु के कोई भी युवक/युवती ले सकते है। योजना अन्तर्गत अशिक्षित व्यक्ति को सेवा क्षेत्र में 5 लाख एवं विनिर्माण क्षेत्र में 10 लाख तक का ऋण तथा 8 वीं पास व्यक्ति हेतु सेवा क्षेत्र में 20 लाख एवं विनिर्माण क्षेत्र में 50 लाख तक का ऋण प्राप्त करने की पात्रता रहेगी।

योजना का लाभ लेने हेतु आवेदक को स्थाई जाति प्रमाण पत्र, मुल निवासी, आधार कार्ड, ग्रामीण क्षेत्र हेतु ग्राम पंचायत का जनसंख्या प्रमाण पत्र, अनापत्ति प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र (अंक सूची), कार्ययोजना- 5 लाख से अधिक होने पर विस्तृत कार्ययोजना सी.ए. द्वारा, स्कोर कार्ड सत्यापन हेतु आवश्यक अन्य दस्तावेज आवश्यक रहेगे। योजना के अंतर्गत दी जाने वाले अनुदान एवं स्वयं का अंशदान शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भिन्न-भिन्न है। सामान्य जन में शहरी को 15 प्रतिशत एवं ग्रामीणो को 25 प्रतिशत का अंशदान दिया जाएगा एवं अजा/अजजा/अपिव/अल्पसंख्यक, महिला, पूर्व सैनिक, शारीरिक विकलांग, पूर्वात्तर पहाड़ी व क्षेत्रो सहित व्यक्तियों में शहरी क्षेत्र में 25 प्रतिशत एवं ग्रामीण क्षेत्र में 35 प्रतिशत अंशदान दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, झाबुआ, gmi-jha@mp.nic.in एवं फोन नम्बर 07392-243659 पर सम्पर्क करे।

''मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना'' प्रतिमाह 8 से 10 हजार रूपये स्टायपेण्ड

झाबुआ /माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के युवाओं को ''मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना'' अन्तर्गत निजी क्षेत्र के औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठावनों में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार प्राप्ती हेतु योजना प्रारंभ स्वीकृत की गई है। इस योजना में औपचारिक शिक्षा प्राप्त युवाओं को शासन के पोर्टल पर पंजीकृत औद्योगिक एवं व्यावव्सायिक प्रतिष्ठानों में छात्र-प्रशिक्षणार्थी के रूप में काम के साथ कौशल प्रशिक्षण प्राप्ति करने की सुविधा दी जाएगी। प्रशिक्षण अवधि के दौरान छात्र-प्रशिक्षणार्थी को 8 से 10 हजार रूपये प्रतिमाह स्टायपेण्ड दिया जाएगा। स्टायपेण्ड की 75 प्रतिशत राशि राज्य शासन द्वारा छात्र-प्रशिक्षणार्थी के बैंक खातें में DBT द्वारा भुगतान किया जावेगा तथा शेष 25 प्रतिशत स्टायपेण्ड राशि का भुगतान प्रतिष्ठाकन द्वारा किया जावेगा। मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी शिक्षित युवा जिनकी आयु 18 से 29 वर्ष है तथा शैक्षणिक योग्यता 12वी/आईटीआई/स्नातक उत्तीर्ण है वे शासन के पोर्टल पर अपना पंजीयन कर योजना का लाभ ले सकते हे।

रामानंद बैरागी समाज ने की जगतगुरु श्री रामानंदजी महाराज की चरण वंदना

पुजन पाठ कर की महाआरती, प्रसादी का वितरण हुआ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गुरु शिष्य की परंपरा को निभाते हुए रामानंद बैरागी समाज द्वारा जगतगुरु श्री रामानंदजी महाराज की चरण वंदना करते हुए पुजन पाठ किया गया।रामानंद बैरागी समाजजन द्वारा गुरु पूर्णिमा के पर्व पर विगत कई वर्षो से जगत गुरु रामानंद जी महाराज की चरण वंदना कर पुजन किया जाता रहा है इसी क्रम में रामानंद बैरागी समाज द्वारा बिलोटी पुरा में श्री रामानंदजी महाराज की आरती की गई और प्रसाद का वितरण किया।

सर्पदंश पीड़ित युवक की मौत, सिद्धि विनायक हॉस्पिटल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप

परिजन ने थाने में शिकायत, हॉस्पिटल संचालक बोले हमने बचाने का पूरा प्रयास किया, बड़े अस्पताल में नहीं मिला पूरा ईलाज

मंदसौर/पिपलियामंडी/दैनिक मालवा हेराल्ड। उपचार में लापरवाही से सर्पदंश से पीड़ित युवक की मौत हो गई, परिजनों ने हॉस्पिटल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। युवक के पिता ने मंदसौर शहर कोतवाली थाने में आवेदन देकर मंदसौर जिला अस्पताल व निजी अस्पताल प्रबंधन के खिलाफकार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार समीपी गांव रिंछा निवासी जीतमल पिता मांगीलाल दमामी ने आवेदन में बताया रविवार को मेरे 19 वर्षीय बेटे रौनक को जहरीले जानवर (संभवत सांप) ने डस लिया। जिसे हम सिविल हास्पीटल मंदसौर लेकर आए, उसे भर्ती कर लिया। रात्रि में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने रौनक की हालत गंभीर बताई व अस्पताल में पर्याप्त सुविधा नही होने का हवाला दिया और रेफर कर दिया। जीतमल ने बताया कि रात्रि 12.45 बजे बाद हम रौनक को लेकर मंदसौर के ही निजी सिद्धी विनायक हास्पीटल लेकर पहुंचे, वहां रौनक को भर्ती कर लिया, डॉ. मनीष पाठक की ड्यूटी के दौरान 4 घंटे तक उपचार चला, डॉ. ने बताया कि रौनक ठीक है और उसकी हालत खतरे से बाहर है, लेकिन सुबह 4 बजे डॉ. पाठक ने रौनक की मृत्यु हो जाने की सूचना दी। मृतक के पिता ने अस्पताल प्रबंधन पर भर्ती करने के समय में भी गलत समय लिखने का आरोप लगाया, जीतमल ने बताया सिद्धि विनायक हास्पीटल ने रौनक की डेथ समरी सर्टिफिकेट दिया, जिसमें अस्पताल में भर्ती होने का समय 1.57 बताया, जबकि हम सिविल हास्पीटल से 12.45 बजे रेफर के तुरन्त बाद सिद्धि विनायक अस्पताल ले गए और भर्ती कर लिया था। जीतमल ने आरोप लगाया कि सिद्धि विनायक हास्पीटल के डॉ. ने मेरे बेटे रौनक के इलाज में गंभीर लापरवाही की, जिस कारण मेरे बेटे की मौत हो गई।

आरोप निराधार, हमने पूरा प्रयास किया :-

सिद्धि विनायक हास्पीटल मंदसौर के संचालक निर्मल गंगवानी का कहना है आरोप निराधार है, युवक को 10 बजे सांप ने काटा था, जिसे परिजन अस्पताल न लाते हुए झाड-फूंक करवाते रहे, मंदसौर सिविल अस्पताल में उपचार के बाद 1 बजे हमारे यहां हास्पीटल में लाए। हमने इंजेक्शन लगाना चाहा, लेकिन परिजनों ने इंजेक्शन लगाने से मना कर दिया। हमने युवक को बचाने का पूरा प्रयास किया, बाकी ईश्वर की इच्छा।

कलेक्ट्रोट में राष्ट्रगॉन म.प्र.गॉन एवं वन्देर मातरम का गायन हुआ

नीमच/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कलेक्टवर कार्यालय नीमच में सामुहिक राष्ट्र गॉन एवं वंदेमातरम के गायन से कार्यो की शुरूआत हुई। राष्ट्र5गॉन एवं वन्देटमातरम का गायन एडीएम सुश्री नेहामीना, एवं सी?ईओ जिला पंचायत की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर डिप्टीु कलेक्ट्र श्री राजकुमार हलदर सहित संयुक्ता कलेक्ट्रे ट भवन स्थित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सामुहिक रूप से राष्ट्र गॉन, वंदेमातरम एवं म.प्र.गॉन का गायन किया। तदपश्चाशत शासकीय कार्यो की शुरूआत की गई। कलेक्टोलरेट, राजस्वर, भू-अभिलेख, श्रम, आदिम जाति कल्याआण, आबकारी, खनिज, शिक्षा, कोषालय, जनसम्पजर्क, शहरी विकास अभिकरण सहित विभिन्नी विभागों के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

मुनिश्री के दर्शानथ पहुंचे जिला न्यायाधीश श्री जैन

सिंगोली ।(सतीश सैन)/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली नगर में चातुर्मास हेतु विराजमान मुनिश्री सुप्रभ सागर जी महाराज व मुनिश्री दर्शित सागर जी महाराज के आज दोपहर मे दर्शनार्थ हेतु अपनी पत्नी के साथ जिला न्यायाधीश डॉ कुलदीप जी जैन रतनगढ़ तहसीलदार श्री मति मोनिका जी जैन पहुंचे जहां पर समाजजनों ने तिलक माला शाल ओढ़ाकर स्वागत सम्मान किया इस अवसर सभी समाजजन मौजूद थे।

माइक्रो फाइनेंस बैंक कर्मचारियों ने 47 ग्राहकों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर की 14 लाख से ज्यादा का गबन, प्रकरण दर्ज

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शामगढ़ में माइक्रो फाइनेंस बैंक के 6 कर्मचारियों ने अपनी ही बैंक में 14 लाख से अधिक की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है।

मामले में एलएंडटी माइक्रो फाइनेंस कंपनी के एरिया कलेक्शन मैनेजर कृष्णपाल की शिकायत पर कंपनी की शामगढ़ ब्रांच के ब्रांच प्रोसेस मैनेजर जयपाल सिंह निवासी महुआ सीतामऊ, ब्रांच मैनेजर नरेंद्र पिता श्याम सिंह चौहान निवासी फतेहपुर चिकली सीतामऊ ने फील्ड ऑफिसर राकेश पिता मोहन लाल निवासी जस्साखेड़ी आगर मालवा, मोहम्मद वकील पिता सलीम खा निवासी मदारपुरा मंदसौर, कृष्णपाल सिंह पिता लक्ष्मण सिंह निवासी करणपुरा सीतामऊ और नन्दकिशोर पिता जयराम निवासी पुण्याखेड़ी लसूड़िया अफजलपुर ने मिलकर धोखाधड़ी करते हुए 14 लाख 10 हजार का गबन किया। मामले 6 आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है।

47 ग्राहकों के बनाए फर्जी दस्तावेज

एलएंडटी माइक्रो फाइनेंस कंपनी के एरिया कलेक्शन मैनेजर कृष्णपाल सिंह पुन्नड के अनुसार कोलकाता की एलएंडटी माइक्रो फाइनेंस करती है। बैंक की शामगढ़ ब्रांच पर कार्यरत ब्रांच प्रोसेस मैनेजर, ब्रांच मैनेजर सहित 6 कर्मचारियों ने मिलकर 47 ग्राहकों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर 14 लाख से अधिक की धोखाधड़ी की है।

आरोप है की सभी ने मिलकर जानबूझकर बैंक दिशा निर्देश का पालन नहीं करते हुए 47 ऋणियों के दस्तावेज तसदीक किये बिना लोन स्वीकृत कर लिया। इनके खातों में 30-30 हजार का लोन स्वीकृत किया गया था। गड़बड़ी का पता तब चला जब लोन की किश्तें जमा नहीं हुई। कंपनी के अधिकारियों द्वारा जांच करने पर पता चला की संस्था में कार्य करने वाले 6 कर्मचारियों ने धोखाधड़ी की है। मामले में शिकायत और शामगढ़ पुलिस ने सभी छः लोगो के खिलाफ धोखाधड़ी करने सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया दर्ज किया है।

पशुपतिनाथ मंदिर में आज से होगा मनोकामना अभिषेकः 200 रुपए शुल्क देकर हो सकते हैं शामिल

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पशुपतिनाथ मंदिर में मंगलवार से शुरू हो रहे श्रावण माह को लेकर अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में श्रावण माह को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। श्रावण की शुरुआत के साथ ही पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में मनोकामना अभिषेक शुरू हो जाएगा। पशुपति नाथ मंदिर प्रबंधक राहुल रुनवाल ने बताया कि मंगलवार से श्रावण माह शुरू हो जाएगा। श्रावण की शुरुआत वाले दिन से यही मंदिर परिसर के आराधना हाल में सुबह 8 बजे से मनोकामना अभिषेक प्रारंभ हो जाएगा। यह पूरे सावन के 2 माह तक चलेगा। पशुपति नाथ मंदिर प्रबंध समिति की बैठक में हुए निर्णय अनुसार मंदिर के आराधना हाल में मनोकामना अभिषेक विगत वर्ष की तरह मंदिर समिति द्वारा किए जाएंगे। जिसमें सभी आम दर्शनार्थी सहभागिता कर सकेंगे। अभिषेक, पूजन, आदि की सामग्री एवं प्रसाद मंदिर समिति द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। अभिषेक शुल्क मात्र 200 रखा है। मंदिर समिट द्वारा लगाए गए काउंटर पर श्रद्धालु रसीद कटवा कर मनोकामना अभिषेक में शामिल हो सकते है।

श्रावण को लेकर विशेष तैयारियां

सावन माह को लेकर मंदिर में विशेष तैयारियां गई है। मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया। वहीं, आकर्षक विद्युत साज सज्जा की गई है। मंदिर प्रबंधक राहुल रुनवाल अनुसार इस सावन माह में भी पिछले वर्ष की तरह की आयोजन होंगे। सावन के हर सोमवार की श्रद्धालु मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। वही मंदिर में जल चढ़ाने के लिए भी समय निर्धारित किया गया है।

जिले में अब तक औसत 234.6 मि.मी.वर्षा दर्ज

नीमच/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में चालू वर्षाकाल के दौरान अब तक 234.6 मि.मी.वर्षा हुई है। नीमच में 216 मि.मी.,जावद में 248 मि.मी.एवं मनासा में 240 मि.मी.वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इस अवधि में औसत 67.3 मि.मी. वर्षा हुई थी।

कार्यकर्ताओं की राय अहम

कॉग्रेस अब बाहरी पर भरोसा नहीं करेगी, स्थानीय उम्मीदवार को मिलेगी प्राथमिकता- अर्जुन मोढवाडिया

जावद में कॉग्रेस मण्डल, सेक्टर, बीएलए की बैठक सम्पन्न

नीमच।(सतीश सैन)/दैनिक मालवा हेराल्ड। विधानसभा चुनाव की तैयारियों की कड़ी में राजनीतिक दलों में सक्रियता और गतिविधि बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में रविवार को जावद विधानसभा के जावद मुख्यालय पर कांग्रेस मण्डलम सेक्टर एवं बीएलए की बैठक अग्रसेन मांगलिक भवन में सम्पन्न हुई। यहां कांग्रेस के पर्यवेक्षक अर्जुन मोढवाडिया पहुंचे। बैठक के पूर्व व बाद में यहां उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से वन टू वन चर्चा भी की। कुछ लोगों से ग्रुप में भी संगठनात्मक बातें की। सभी से कहा कि आने वाले चुनाव में भाजपा को उखाड़ फेंकना है। सभी को समन्वय बनाकर व मिलकर काम करना होगा, तभी उद्देश्य की प्राप्ति होगी। वे प्रदेश के सभी जिलों व उनकी विधानसभाओं में सर्वे कराकर और फीडबैक लेकर संगठन और सत्ता की मजबूती के लिए कदम उठाने आये है।

जावद के अग्रसेन भवन में मण्डलम, सेक्टर एवं बीएलए की बैठक में कॉग्रेसजनों की भारी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक अर्जुन मोढवाडिया सहित, नीमच जिला प्रभारी नूरी खान, जिला कॉग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसिया, जावद के पूर्व जनपद अध्यक्ष सत्यनारायण पाटीदार, पूर्व जिला कॉग्रेस अध्यक्ष अजीत कॉठेड़, ब्लाक कॉग्रेस अध्यक्ष जावद ओमप्रकाश राव, ब्लाक कॉग्रेस अध्यक्ष रतनगढ़ गोविन्दसिंह सांडा, महिला जिला कॉग्रेस अध्यक्ष स्नेहलता शर्मा आदि मंचासीन अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

फीडबैक के लिए फील्ड में पहुंचे कांग्रेस के पर्यवेक्षक अर्जुन मोढवाडिया ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पूरा माहौल कॉग्रेस के पक्ष में है 2018 में भी कॉग्रेस को जनता ने बहुमत दिया था। मैं दावे के साथ कह सकता हूॅ कमलनाथजी के नेतृत्व में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में कॉग्रेस के सभी नेता एकजुट है और पूरी ताकत व एकजुटता के साथ आने वाला चुनाव लड़ा जायेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर काम करने की बात कही। इस बार कार्यकर्ताओं के मंशानुरूप ही टिकिट वितरण होगा। स्थानीय उम्मीदवार को प्राथमिकता दी जायेगी। कार्यकर्ताओं की मांग के अनुसार इस बार हर विधानसभा में यह प्रयास होगा कि स्थानीय व्यक्ति को ही टिकिट मिले बाहरी को नहीं।

इसी प्रकार नीमच जिला प्रभारी नूरी खान ने कहा कि बेरोजगार युवा सडकों पर अपने हक की लड़ाई लड रहा है। भाजपा के राज में बदतर हालात हो रहे है। संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता बीते 15 सालों से सडको पर संघर्ष कर रहा है। किसी का संघर्ष जाया नहीं जाने दिया जायेगा। चुनाव नजदीक है ऐसे में हम पूरी एकजुटता के साथ कॉग्रेस की मजबूती के लिये लग जाये। इसी तरह जिला कॉग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसिया ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कॉग्रेस का कार्यकर्ता पाटी की रीढ़ है। आने वाला समय कॉग्रेस का है। हम सभी को पूरी एकजुटता के साथ काम करना है। हर बूथ को हमें जितना है इसलिये प्रत्येक बूथ पर मजबूत होकर अभी से डट जाये। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता की मंशा रहती है कि उनके क्षेत्र में उनके ही बीच का व्यक्ति चुनाव लडे इस बार स्थानीय उम्मीदवार को ही टिकिट मिले ऐसे प्रयास प्रदेश कॉग्रेस द्वारा किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि जिला कॉग्रेस संगठन कॉग्रेस की मजबूती के लिये निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यकर्ताओं के विचार व सलाह लेकर कार्यकर्ताओं का मान सम्मान रखा जा रहा है इससे कार्यकर्ता भी उत्साहित नजर आ रहा है। कांग्रेस की सरकार आने पर आमजनता के लिये कई जनहितेषी योजना लागू होगी। भाजपा के राज में महंगाई से आमजन का जीना दुश्वार हो गया है। बेरोजगारी बड़ती जा रही है, किसानों पर अत्याचार हो रहा है। आमजनता भाजपा के राज में परेशान हो चुकी है। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक सहित अन्य अतिथियों का पूर्व जनपद अध्यक्ष सत्यनारायण पाटीदार, ब्लाक कॉग्रेस अध्यक्ष जावद ओमप्रकाश राव, रतनगढ़ ब्लाक कॉग्रेंस अध्यक्ष गोविन्दसिंह सांडा, स्नेहलता शर्मा आदि ने स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिला कॉग्रेस अध्यक्ष अजीत कॉठेड़ ने किया वहीं आभार राजेश राठौर ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में कॉग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाहरी नहीं स्थानीय को मिले प्राथमिकता

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कॉग्रेसजनो व कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में पर्यवेक्षक व उपस्थित कॉग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से कहा कि इस बार उम्मीदवार चयन में गलती ना की जाये। टिकिट वितरण में यहां का वहां ना करे इससे कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटता है। स्थानीय उम्मीदवार को महत्व दिया जाये। बाहरी उम्मीदवार नहीं चलेगा। कार्यकर्ताओं की बात सुनने के बाद पर्यवेक्षक एवं अन्य नेताओं ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मंशाअनुसार इस बार स्थानीय उम्मीदवार ही मैदान में आयेगा।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया

सिंगोली ।(सतीश सैन)/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पर चातुर्मास हेतु विराजमान आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से शिक्षा प्राप्त व वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज व मुनिश्री दर्शित सागर जी महाराज के सानिध्य मे गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया प्रातः काल श्रीजी का अभिषेक शान्ति धारा व गुरु पुजन आदी कार्यक्रम हुए मंगलाचरण श्री मति सुधा जी बगड़ा चित्र अनावरण करने का सौभाग्य श्री ज्ञानचन्द जी लाभचंद राजेश कुमार विवेक जी ठोला परिवार को प्राप्त हुआ व शात्र भेंट करने का सौभाग्य धनगाव व सिंगोली बालिकाओं को प्राप्त हुआ व पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य श्री अतिशय ठोला संस्कार ठोला बाबु साकुण्या व समाजजनों को प्राप्त हुआ वही आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज व वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज कि संगीतमय पूजन विधान महिलाओं द्वारा अष्ट द्रव्य कि सुन्दर सुन्दर थाली सजाकर लाए व विज्ञान वर्धिनी महिला मण्डल सुजान जाग्रति महिला मण्डल दर्शित बालिका मण्डल युवा परिषद चातुर्मास कमेटी द्वारा व बाहर से पधारें हुए समाजजन द्वारा अर्ध समर्पण गुरु चरणों किया वही भजन गायक श्री अभिषेक ठोला व सुभम ठोला द्वारा भजनों के साथ सभी समाजजन भक्ति की भाव के साथ झुम उठे वही मुनिश्री सुप्रभ सागर जी महाराज ने गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सच्चे गुरु की प्राप्ती दुर्लभ है और मिल जाए तो उनकी कृपा प्राप्त होना ओर भी दुर्लभ है गुरु का जीवन मे उतना ही महत्व है जितना स्वासोच्छवास का है गुरु की कृपा ओर सानिध्य अज्ञान तप को हरने वाला है गुरु नाम ही ज्ञानार्जन के लिए पर्याप्त है फिर यदि उनका साक्षात सानिध्य मिल जाए तो जीवन मे परिवर्तन आ जाता है ओर उन्नति का पथ प्राप्त हो जाता है जीवन में एक सच्चा गुरु अवश्य होना चाहिए जेसे पारिवारिक चिकित्सक होता है वैसै ही गुरु पाप कषाय रुपी रोगों से दुर रखने का उपाय बताकर आपकी आत्मा का ध्यान रखता है लोकिक गुरु संसार मे धन कमाने कि शिक्षा देते हैं पर परमार्थिक गुरु संसार से छुटने कि शिक्षा देते है माता पिता तो जीवन निर्वाह करने का मार्ग बता सकते है परन्तु गुरु जीवन निर्माण कर निर्वाण प्राप्ति का मार्ग बताते है गुरु कुम्भकार के समान शिष्य को कुट पीट कर उसमें से दुर्गुण रूपी कंकड़ पत्थर को निकाल देता है गुरू प्रकाश स्तम्भ के समान दुर तक ज्ञान का प्रकाश कर शिष्यों का मार्ग दर्शन करते है गुरु का गुणगान शब्दों मे करना असम्भव है वही मुनिश्री दर्शित सागर जी महाराज ने कहा चातुर्मास मे श्रावकों को छोटे छोटे नियमो का पालन करना चाहिए जिससे लोगों मे धर्म कि प्रभावना बड़े सके वही श्री मान पारस कुमार जी अन्कित कुमार जी ज़िंनाश जी हरसोला परिवार कि तरफ से प्रभावना बाटी गई इस अवसर पर धनगाव थडोद बोराव झांतला चांदजी कि खेड़ी बिजोलिया चेची कांकरिया तलाई आदी जगह के समाज जन उपस्थित थे

सार समाचार

शहर की मूलभूत सुविधाओं में सुधार को लेकर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ने सीएमओ से चर्चा की

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में नागरिकों को समय पर मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही है। नालियों की नियमित साफसफाई नहीं होने से वर्षाकाल में गंदगी फैलने से बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। सड़कों पर हो रहे गड्डों से आये दिन छोटी मोटी सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। नगर के बगीचों की नियमित तो दूर 15-15 दिन में भी साफसफाई व देख रेख नहीं हो पा रही है। स्ट्रीट लाइटें बन्द पड़ी रहती है उनकी समय पर देखरेख नहीं की जाती है। वार्ड 27 सहित नगर के अन्य क्षेत्रों में नलों में पानी का प्रेशर कम होने से नागरिक पेयजल से वंचित हो रहे है। इस सब मूलभूत सुविधाओं में सुधार के लिए सोमवार दोपहर को शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर व नपा नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी ने नगर पालिका सीएमओ सुधीरसिंह से मुलाकात कर इनमें सुधार की मांग की।

8 लाइन पर गोवंश से भरा ट्रक पुलिस ने किया जब्त

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड।गरोठ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रूपरा के पास 8 लाइन पर सोमवार सुबह ठूंस ठूंस कर भरे गोवंश से भरा ट्रक पुलिस ने जब्त किया। साथ ट्रक चालक के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 9.30 बजे सूचना पर ग्राम रूपरा के पास 8 लाइन पर पुलिस पहुंची। जहां ट्रक क्रमांक एमपी 04 जीबी 3598 खड़ा मिला। जिसमें छोटे बड़े 24 गोवंश ठूंस ठूंस कर भरे मिले। वहीं ट्रक चालक मौके से फरार था। इन 24 में से दो गोवंश मृत मिले। पुलिस ने ट्रक में मिले गोवंश को अस्थाई रूप से गौशाला के सुपुर्द किया। वहीं ट्रक चालक के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया।

सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने की ई-जनसुनवाई

नीमच जनपद क्षेत्र की 5 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों की समस्याओं से हुए रूबरू

नीमच/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में 3 जुलाई 2023 सोमवार को प्रातः10 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने ई-जनसुनवाई कर नीमच जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत रेवली-देवली, गिरदौड़ा, भाटखेड़ा, भादवामाता एवं जमुनियाकला से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद कर, ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए। ई-जनसुनवाई में ग्राम पंचायत रेवली-देवली, सचिव श्री राधेश्यानम ने दसानी गॉव में पेयजल की समस्यार होने, नाली-नाले की साफ-सफाई, गिरदौड़ा के सरपंच एवं रामप्रसाद ने पुलिया निर्माण करवाने, भाटखेड़ा के माणकचंद शर्मा शंकरलाल कुमावत ने हनुमानजी के मंदिर के समीप स्पीरड ब्रेकर बनवाने, श्या मसिंह ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलवाने,वालमेन श्री गोपाल चौहान ने डीपी से विद्युत कम वालटेज होने से जलप्रदाय की समस्याा होने, भादवामाता की श्रीमती कांतादेवी,श्री सुखराम नागदा, सरपंच श्रीमती मिठठूबाई ने पंचायत भवन बनवाने, ग्राम के कचरे को अन्यवत्र स्थाान पर डलवाने की व्यमवस्थाप करने, श्री चांदमल ने वृद्धावस्थार पेंशन दिलवाने, श्री दीपक सेन ने पात्रता पर्ची दिलवाने, एंव श्री राजेन्द्र प्रसाद ने स्कूवल में पानी भरने जैसी समस्याएं ई जनसुनाई में बताई। इसी प्रकार संबंधित ग्राम पंचायतों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ग्रामीणों से संवाद कर, उनकी समस्याएं सुनी। सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने ई-जनसुनवाई में संबंधित ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों से मूलभूत सुविधा, टीबी रोगियों से संबंधित जानकारी, राशन की उपलब्धबता, पेयजल, आयुष्मामन कार्ड,एवं शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्तु की।

फसल बीमा योजना प्रसार रथ को

जिला पंचायत सीईओ श्री गुरु प्रसाद, ने दिखाई हरी झण्डी

नीमच/दैनिक मालवा हेराल्ड।जिला पंचायत सीईओ श्री गुरु प्रसाद ने सोमवार को कलेक्टुोरेट परिसर नीमच से खरीफ मौसम 2023 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार-प्रसार रथ को हरी झण्डीप दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उप संचालक कृषि श्री दिनेश मंडलोई, एग्रीकल्च्र इंश्योरेंस कंपनी(ढ्ढष्ट) के जिला प्रतिनिधि श्री जितेन्द्रसिंह तंवर एवं कृषि, बीमा कंपनी का स्टॉ फ भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का यह प्रचार रथ जिले के सभी विकासखण्डोंर के सहकारी समिति? स्तंर तक 3 से 31 जुलाई 2023 तक पहुंचेगा। खरीफ 2023 के लिये फसल बीमा की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2023 है। उपसंचालक कृषि श्री दिनेश मंडलोई ने बताया,कि नीमच जिले में सोयाबीन,मक्का, मुंगफली के फसल बीमा हेतु पटवारी हल्केष अधिसूचित है। जिस हल्केु में जो फसल अधिसूचित है, उसी का फसल बीमा किया जा सकेगा। इसके लिये क्षेत्र की सहकारी समिति, निकटतम बैंक या जन सेवा केंद्र(ष्टस्ष्ट)पर जाकर फसल बीमा कराया जा सकता है। जिन किसानों भाइयों के पास किसान क्रेडिट कार्ड नहीं है,या ओव्हइर-ड्यू है,या लेनदेन नहीं किया गया है। वे अऋ्रष्टी कृषक के रूप में उपरोक्त अनुसार अपने क्षेत्र की सहकारी समिति, निकटतम बैंक या जनसेवा केंद्र(ष्टस्ष्ट) पर जाकर फसल बीमा करा सकते है। इसके लिये भूमि की पावती, बैंक खाते की पासबुक, आधार कार्ड की छायाप्रति, पटवारी द्वारा जारी बुआई का प्रमाण-पत्र एवं प्रिमियम राशि की आवश्करता होगी।

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना युवाओं को रोजगार से जोड़ेगीः मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री ने आज होने वाले राज्य-स्तरीय कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा की

नीमच/दैनिक मालवा हेराल्ड।मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना से प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को उद्योग उन्मुख नई तकनीक और प्रक्रियाओं में दक्षता लाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे उन्हें सहजता से रोजगार प्राप्त हो सकेगा। यह योजना युवाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान मुख्यमंत्री निवास कार्यालय समत्व भवन में रविवार को मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में युवा आवेदकों के लिये पंजीयन प्रक्रिया के शुभारंभ के राज्य-स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। यह कार्यक्रम आज 4 जुलाई को दोहपर 12 बजे भोपाल के रवीन्द्र भवन में होगा। इसमें एमएमएसकेवाय (स्वस्य्चङ्क) पोर्टल का शुभारंभ होगा और पंजीयन की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। मुख्यमंत्री, कॉलेज के छात्र-छात्राओं से संवाद भी करेंगे। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल? सिंह बैंस सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअली शामिल हुए।

सम्पादकीय

महाराष्ट्र में सियासी धमाका

महाराष्ट्र में जो सियासी नाटक हुआ है उससे सिद्ध होता है कि वर्तमान राजनीति में सैद्धान्तिक मान्यताओं के लिए जगह बहुत सीमित रह गई है और नेताओं का व्यक्तिगत स्वार्थ सर्वोच्च हो गया है। निश्चित रूप से सत्ता पाना राजनीति में हर राजनीतिज्ञ का लक्ष्य होता है मगर वह यह काम यदि अपनी राजनैतिक विचारधारा की बलि देकर करता है तो उसे 'सत्ता लोलुप' की उपाधि से नवाजा जाता है। मगर राजनीतिक लोकतन्त्र में हम देखते हैं कि अक्सर विभिन्न पार्टियों में विद्रोह और बगावत होती रहती हैं। नेताओं की बगावत यदि सिर्फ सत्ता के लिए होती है तो जनता उन्हें नकार देती है और यदि सिद्धांतों के लिए होती है तो यही जनता उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखती है। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस के संस्थापक श्री शरद पवार के खिलाफ उन्हीं के भतीजे अजित दादा पवार ने बगावत करके राज्य की सत्तारूढ़ भाजपा से हाथ मिला लिया और उपमुख्यमन्त्री पद भी पाया। उनके साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस के कुल 53 विधायकों में से 29 विधायक बताये जा रहे हैं जिनमें से आठ को उनके साथ ही मन्त्री पद की शपथ दिला दी गई। मगर शरद पवार को केवल अजित पवार ने ही झटका नहीं दिया बल्कि उनके सबसे विश्वस्त माने जाने वाले सांसद प्रफुल्ल पटेल ने भी धोखा दिया और वह अजित पवार के खेमे में चले गये। अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल दोनों को ही स्वयं शरद पवार ने हाथ पकड़ कर राजनीति में चलना सिखाया और दोनों को अपनी छत्रछाया में रखते हुए उनको योग्य बना कर ऊंचे से ऊंचे औहदे पर पहुंचने में भी मदद की। बेशक स्वयं शरद पवार ने भी कई बार अपनी मूल पार्टी कांग्रेस से बगावत की मगर फर्क सिर्फ यह रहा कि वह कभी पद के पीछे नहीं दौड़े बल्कि पद उनकी राह में रहा। चाहे वह 1978 में उनके पहली बार संयुक्त प्रगतिशील मोर्चा बना कर मुख्यमन्त्री बनने का अवसर रहा हो या बाद में मुख्यमन्त्री बनने के मौके रहे हों। इसकी वजह यही थी कि शरद पवार जमीनी संघर्ष करके राजनीति में नेता बने और लोगों ने उनकी भूमिका को सराहा। आज सवाल यह है कि जब महाराष्ट्र में भाजपा व शिवसेना (शिन्दे) की मिली-जुली सरकार पूर्ण बहुमत के साथ आराम से चल रही है तो इसे अजित पवार के सहयोग की क्या जरूरत है? जाहिर है कि जरूरत भाजपा से ज्यादा अजित पवार की है। उनके साथ जो मंडली राष्ट्रवादी विधायकों व नेताओं की गई है उनमें से कम से कम सात के खिलाफ बकौल श्री शरद पवार केन्द्रीय एजेंसियों द्वारा विभिन्न मामलों की जांच का काम भी लम्बित है। इनमें से नये मन्त्री बने श्री छगन भुजबल तो 17 महीने जेल में रह चुके हैं। लोकतन्त्र चूंकि नम्बरों का खेल होता है तो यदि कोई विधायक पाला बदल करके सत्ता पक्ष में आना चाहे तो उसे कोई क्यों मना करेगा??पाला बदलते ही अजित पवार ने कहना शुरू कर दिया है कि असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी वही हैं। अजित पवार अभी तक राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता भी थे। अतः उनका सीधा पाला बदल कर सीधे उपमुख्यमन्त्री बन जाना कोई साधारण घटना नहीं कही जा सकती। कहा जा रहा है कि उनके विद्रोह की वजह राष्ट्रवादी पार्टी में उनकी उपेक्षा होना है। वह अपनी पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष बनना चाहते थे मगर पार्टी के सर्वेसर्वा श्री शरद पवार ने उन्हें विधानसभा में विपक्ष का नेता बने रहने के लिए ही कहा और अपनी पुत्री सुप्रिया सुले के हाथ में पार्टी की आंशिक कमान देना ज्यादा बेहतर समझा। अजित पवार ने पिछले दिनों यह भी इच्छा व्यक्त की थी कि वह पार्टी संगठन का काम देखना चाहते हैं मगर उन्हें यह काम नहीं मिल सका। मगर राजनीति को समझने वाले सभी लोग इस हकीकत से वाकिफ हैं कि पिछले कुछ महीनों से अजित पवार लगातार भाजपा को यह संकेत दे रहे थे कि वह केन्द्र की भाजपा सरकार के कामकाज के प्रशसंक हैं। ऐसा करके क्या वह भाजपा को ललचा रहे थे क्योंकि एक बार पहले भी 2019 के चुनावों के बाद जब विधानसभा में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था भाजपा व शिवसेना का चुनाव पूर्ण गठबन्धन टूट गया था तो उन्होंने सुबह-सबेरे ही भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस के साथ उपमुख्यमन्त्री पद की शपथ ले ली थी मगर 80 घंटे बाद वह पुनः वापस राष्ट्रवादी कांग्रेस में आ गये थे। अतः समझा जा सकता है कि उनकी सैद्धान्तिक निष्ठा शुरू से ही सन्देह के घेरे में थी। महाराष्ट्र में भाजपा की जमीन तभी मजबूत बन पाई जब राज्य में शिवसेना का एक राजनैतिक पार्टी के रूप में उदय हुआ और भाजपा ने इसके साथ मिल कर चुनाव लड़ना शुरू किया। 2019 के लोकसभा चुनाव अपवाद थे क्योंकि ये केवल प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पर लड़े गये थे लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा अपने साथ उन दलों के नेताओं को भी देखना चाहती है जो सैद्धान्तिक रूप से उसके पारंपरिक विरोधी रहे हों। इस समीकरण को अजित पवार हल कर सकते हैं। अतः उनका साथ भाजपा के जमीनी विस्तार में मददगार हो सकता है लेकिन मुद्दे की बात यह है कि महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस का मतलब शरद पवार ही माना जाता है क्योंकि 1999 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर इस पार्टी का गठन किया था।

सहज योग-एक अभिनव योग पद्धति

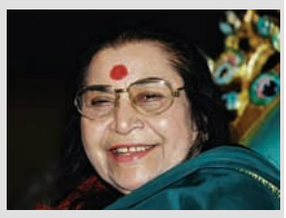

आध्यात्म का अमूल्य ज्ञान भारत की नीव में बसा है भारतीय संस्कृति के प्रत्येक गहन भाव में, यहां की परंपराओं के रीति नीतियों के आदिकालीन इतिहास के,यहां की जीवन शैली के किसी भी ओर छोर में, किसी भी तत्व में झांकने पर अध्यात्म के गहरे बीज दिखाई देते हैं। हजारों वर्ष पहले शुरू हुई सत्य को खोजने की गहन जिज्ञासा आज पल्लवित होकर अपनी समूल विशिष्टताओं के साथ बेहद सरल और सहज पद्धति के रूप में हमारे सामने प्रस्तुत है। वे सभी लोग जो अपने जीवन का अर्थ खोज रहे हैं वह सब लोग जो बनावटी तथा आयोजक जिंदगी में बंधे नहीं रह सकते। वे सभी लोग जो स्तरीय संतोष से लुभाए नहीं जा सकते तथा जिन्हें नैतिकता और मानवता के मूलभूत गुणों पर सदा से विश्वास रहा है। उन्हें इस उत्क्रांति के विषय में अवश्य ज्ञान होना चाहिये ।

हिरणमयेनपात्रेण सत्यस्यापिहितम् मुखमअर्थात सत्य का मुख हिरण्य मय पात्र से ढका हुआ है 'ईशावास्योपनिषद' का यह श्लोक भारतीय अध्यात्म के गूढ़ अर्थ को अपने मेंसमेटे हुए हैं आखिर वह कौन सा सत्य है जिसका मुख स्वर्ण पात्र से ढका हुआ है

आज सब इसकी अपनी अपनी व्याख्या करते हैं परंतु वास्तव में यह सत्य ईश्वर से संपर्क करने का परम सत्य है जिसे पाने के लिए सांसारिक धर्म के स्वर्ण मायाजाल को तोड़ना और उसके पार उतरना होता है यह हिरण्यमय पात्र सांसारिक भ्रम है जो भौतिक सुख की लालसा में और अधिक और अधिक की मांग करता हुआ समय बिता देता है मानव को भ्रमित करता है परंतु यदि यह भ्रम का पर्दा हट जाए तो सर्वमान्य सत्य प्रकट हो जाता है और वह सत्य है आत्मा में बसे हुए ईश्वर का ज्ञान। जिसे हजारों हजार वर्ष पहले खोजा गया। यह ज्ञान सहज योग के माध्यम से सरलता से साधक को प्राप्त होता है। अर्थात ध्यान के अनुभव सिद्ध प्रयोग के द्वारा साधक के भीतर घटित होता है जिससे कि उसके भीतर की भ्रम की सुवर्ण माया हटती है और आत्म तत्व में बसे हुए ईश्वर का उससे साक्षात्कार होता है इसे ही सहज योग में आत्मसाक्षात्कार कहते हैं सहज योग की प्रणिता श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा सहज की ध्यान पद्धति में साधक को अत्यंत सहजता से दिव्य चेतना से जोड़ दिया जाता है। परम चैतन्य से जुड़ने की यह एकाकारिता वहाँ आती है जहां पर कार्य, कारण और परिणाम तीनों का अनुभव होता है। इस योग की प्रक्रिया में ध्यान से जुड़ने की वास्तविक युक्ति सहज योग द्वारा अत्यंत सरलता से निशुल्क सिखाई जाती रही है। इस हेतु वेबस्थली sahajayoga.org.in पर ध्यान या आत्मसाक्षात्कार टाइप कर इसे अनुभव किया जा सकता है। साथ ही टोल फ्री नंबर 18882788888 की सुविधा भी उपलब्ध है।

श्रावण मास में भगवान शिव के ये उपाय बना सकते हैं आप को निरोगी एवं मालामाल

शास्त्रों की बात, जानें धर्म के साथ

धर्म

पं. सतीश नागर
श्री अन्नपूर्णा अनुष्ठान केन्द्र
मो. 9753585323

भगवान शिव बहुत भोले हैं, यदि कोई भक्त सच्ची श्रद्धा से उन्हें सिर्फ एक लोटा पानी भी अर्पित करे तो भी वे प्रसन्न हो जाते हैं। इसीलिए उन्हें भोलेनाथ भी कहा जाता है। सावन में शिव भक्त भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए अनेक उपाय करते हैं।

कुछ ऐसे ही छोटे और अचूक उपायों के बारे शिवपुराण में भी लिखा है। ये उपाय इतने सरल हैं कि इन्हें बड़ी ही आसानी से किया जा सकता है। हर समस्या के समाधान के लिए शिवपुराण में एक अलग उपाय बताया गया है। सावन में ये उपाय विधि-विधान पूर्वक करने से भक्तों की हर इच्छा पूरी हो सकती है।

ये उपाय इस प्रकार हैं-

शिवपुराण के अनुसार, भगवान शिव को प्रसन्न करने के उपाय इस प्रकार हैं-

1. भगवान शिव को चावल चढ़ाने से धन की प्राप्ति होती है।
2. तिल चढ़ाने से पापों का नाश हो जाता है।
3. जौ अर्पित करने से सुख में वृद्धि होती है।
4. गेहूं चढ़ाने से संतान वृद्धि होती है।

यह सभी अन्न भगवान को अर्पण करने के बाद गरीबों में बांट देना चाहिए।

शिवपुराण के अनुसार, जानिए भगवान शिव को कौन-सा रस (द्रव्य) चढ़ाने से क्या फल मिलता है-

1. बुखार होने पर भगवान शिव को जल चढ़ाने से शीघ्र लाभ मिलता है। सुख व संतान की वृद्धि के लिए भी जल द्वारा शिव की पूजा उत्तम बताई गई है।
2. तेज दिमाग के लिए शक्कर मिला दूध भगवान शिव को चढ़ाएं।
3. शिवलिंग पर गन्ने का रस चढ़ाया जाए तो सभी आनंदों की प्राप्ति होती है।
4. शिव को गंगा जल चढ़ाने से भोग व मोक्ष दोनों की प्राप्ति होती है।
5. शहद से भगवान शिव का अभिषेक करने से टीबी रोग में आराम मिलता है।
6. यदि शारीरिक रूप से कमजोर कोई व्यक्ति भगवान शिव का अभिषेक गाय के शुद्ध घी से करे तो उसकी कमजोरी दूर हो सकती है।

शिवपुराण के अनुसार, जानिए भगवान शिव को कौन-सा फूल चढ़ाने से क्या फल मिलता है-

1. लाल व सफेद आंकड़े के फूल से भगवान शिव का पूजन करने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है।
2. भगवान शिव की पूजा चमेली के फूल से करने पर वाहन सुख मिलता है।
3. अलसी के फूलों से शिव की पूजा करने पर मनुष्य भगवान विष्णु को प्रिय होता है।
4. शमी वृक्ष के पत्तों से पूजन करने पर मोक्ष प्राप्त होता है।
5. बेला के फूल से पूजा करने पर सुंदर व सुशील पत्नी मिलती है।
6. जूही के फूल से भगवान शिव की पूजा करें तो घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती।
7. कनेर के फूलों से भगवान शिव की पूजा करने से नए वस्त्र मिलते हैं।
8. हरसिंगार के फूलों से पूजन करने पर सुख-सम्पत्ति में वृद्धि होती है।
9. धतूरे के फूल से पूजन करने पर भगवान शंकर सुयोग्य पुत्र प्रदान करते हैं, जो कुल का नाम रोशन करता है।
10. लाल डंठलवाला धतूरा शिव पूजा में शुभ माना गया है।
11. दूर्वा से भगवान शिव की पूजा करने पर उम्र बढ़ती है।

इन उपायों से प्रसन्न होते हैं भगवान शिव

1. सावन में रोज 21 बिल्वपत्रों पर चंदन से ऊं नमः शिवाय लिखकर शिवलिंग पर चढ़ाएं। इससे आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।
2. अगर आपके घर में किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो सावन में रोज सुबह घर में गोमूत्र का छिड़काव करें तथा गुग्गुल का धूप दें।
3. यदि आपके विवाह में अड़चन आ रही है तो सावन में रोज शिवलिंग पर केसर मिला हुआ दूध चढ़ाएं। इससे जल्दी ही आपके विवाह के योग बन सकते हैं।
4. सावन में रोज नंदी (बैल) को हरा चारा खिलाएं। इससे जीवन में सुख-समृद्धि आएगी और मन प्रसन्न रहेगा।
5. सावन में गरीबों को भोजन कराएं, इससे आपके घर में कभी अन्न की कमी नहीं होगी तथा पितरों की आत्मा को शांति मिलेगी।
6. सावन में रोज सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निपट कर समीप स्थित किसी शिव मंदिर में जाएं और भगवान शिव का जल से अभिषेक करें और उन्हें काले तिल अर्पण करें। इसके बाद मंदिर में कुछ देर बैठकर मन ही मन में ऊं नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। इससे मन को शांति मिलेगी।
7. सावन में किसी नदी या तालाब जाकर आटे की गोलियां मछलियों को खिलाएं। जब तक यह काम करें मन ही मन में भगवान शिव का ध्यान करते रहें। यह धन प्राप्ति का बहुत ही सरल उपाय है।

आमदनी बढ़ाने के लिए

सावन के महीने में किसी भी दिन घर में पारद शिवलिंग या नार्मदेस्वर शिव लिंग की स्थापना करें और उसकी यथा विधि पूजन करें। इसके बाद नीचे लिखे मंत्र का 108 बार जप करें-

मन्त्र

ऐं ह्रीं श्रीं ऊं नमः शिवायः श्रीं ह्रीं ऐं

प्रत्येक मंत्र के साथ बिल्वपत्र पारद शिवलिंग पर चढ़ाएं। बिल्वपत्र के तीनों दलों पर लाल चंदन से क्रमशः ऐं, ह्री, श्रीं लिखें। अंतिम 108 वां बिल्वपत्र को शिवलिंग पर चढ़ाने के बाद निकाल लें तथा उसे अपने पूजन स्थान पर रखकर प्रतिदिन उसकी पूजा करें। माना जाता है ऐसा करने से व्यक्ति की आमदानी में इजाफा होता है।

संतान प्राप्ति के लिए उपाय

सावन में किसी भी दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि करने के बाद भगवान शिव का पूजन करें। इसके पश्चात गेहूं के आटे से 11 शिवलिंग बनाएं। अब प्रत्येक शिवलिंग का शिव महिम्न स्त्रोत से जलाभिषेक करें। इस प्रकार 11 बार जलाभिषेक करें। उस जल का कुछ भाग प्रसाद के रूप में ग्रहण करें।

यह प्रयोग लगातार 21 दिन तक करें। गर्भ की रक्षा के लिए और संतान प्राप्ति के लिए गर्भ गौरी रुद्राक्ष भी धारण करें। इसे किसी शुभ दिन शुभ मुहूर्त देखकर धारण करें।

बीमारी ठीक करने के लिए उपाय

सावन में किसी सोमवार को पानी में दूध व काले तिल डालकर शिवलिंग का अभिषेक करें। अभिषेक के लिए तांबे के बर्तन को छोड़कर किसी अन्य धातु के बर्तन का उपयोग करें। अभिषेक करते समय ऊं जूं सः मंत्र का जाप करते रहें।

इसके बाद भगवान शिव से रोग निवारण के लिए प्रार्थना करें और प्रत्येक सोमवार को रात में सवा नौ बजे के बाद गाय के सवा पाव कच्चे दूध से शिवलिंग का अभिषेक करने का संकल्प लें। इस उपाय से बीमारी ठीक होने में लाभ मिलता है।

घर में शिवलिंग रखना उचित है या अनुचित

भगवन शिव बहुत ही दयालु हैं और क्रोधी स्वभाव के भी हैं। जो सच्चे मन से याद करता है, उसकी पुकार तुरंत सुन लेते हैं। अपने घर में शिवलिंग स्थापित किया हुआ है या करने के बारे में सोच रहे हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

कोने में न रखें

शिवलिंग अगर घर में स्थापित कर रहे हैं तो उसे कोने में या किसी ऐसी जगह ना रखें जहाँ उसकी पूजा ना कर पायें। ऐसा करने से भगवन शिव क्रोधित हो जाते हैं।

हल्दी न चढ़ाएँ.

सिंदूर न चढ़ाएँ.

स्थान ना बदलें.

शिवलिंग का स्थान न बदलें, अगर विशेष कारणों से ऐसा करना पड़ रहा है, तो शिवलिंग को हटाने से पहले उसे गंगाजल और ठंढे दूध से स्नान करायें फिर जगह को बदलें।

बिना किसी पात्र के दूध ना चढ़ाएँ

कुछ लोग ऐसा करते हैं कि सीधे दुकान से पैकेट वाला दूध ख़रीदा और चढ़ा दिया, ऐसा करने से बचना चाहिए। बिना किसी बर्तन के दूध कभी भी नहीं चढ़ाना चाहिए। दूध चढ़ाते वक़्त एक बात का और ध्यान रखें कि दूध ठंढा होना चाहिए, भले ही कोई भी मौसम हो।

बिना साँप वाला शिवलिंग घर नहीं रखना चाहिए।

पानी का रखें विशेष ध्यान

आप जब भी किसी शिव मंदिर में जाते होंगे तो आपने देखा होगा कि शिवलिंग के ऊपर एक पानी से भरा पात्र लटका रहता है, जिससे हर समय पानी टपकता रहता है। इसलिए जब आप भी अपने घर पर शिवलिंग स्थापित करें तो पानी की व्यवस्था ठीक तरह से करें। दिन हो या रात हो हर समय शिवलिंग के ऊपर पानी गिरते रहना चाहिए।

शिवलिंग को अकेले न रखें

जब आप अपने घर पर शिवलिंग स्थापित कर रहे हों, तो ध्यान रखें कि शिवलिंग को कभी भी अकेले न रखें। इसके साथ माँ पार्वती और गणेश की मूर्तियाँ भी रखें।

चन्दन का टीका लगायें

हर रोज स्नान करने के बाद शिवलिंग पर चन्दन का टीका लगायें, ऐसा माना जाता है कि इससे शिवलिंग पवित्र और ठंढा रहता है।

कभी न चढ़ाएँ नारियल पानी

शिवलिंग पर कभी भी नारियल पानी नहीं चढ़ाना है। इसकी जगह पर कच्चा नारियल चढ़ा सकते हैं।

कभी न चढ़ाएँ तुलसी की पत्ती

शिवलिंग पर भूलकर भी तुलसी की पत्तियाँ नहीं चढ़ानी चाहिए, शिवलिंग पर हमेशा बेलपत्र ही चढ़ाना चाहिए। बेलपत्र बहुत ही शुभ माना जाता है।

बेल चढ़ाएँ

भगवन शिव को बेल (फल) पसंद है, ऐसा माना जाता है कि यह फल चढ़ाने से इंसान की उम्र लम्बी होती है। इसलिए आप भी सुबह स्नान करने के बाद बेल का फल, भगवन शिव को चढ़ा सकते है।

पंचामृत चढ़ाएँ

कोई भी पूजा शुरू करने से पहले शिवलिंग पर पंचामृत चढ़ाएँ। पंचामृत दूध, गंगाजल और चीनी, शहद और मेवा जैसे पाँच चीजों से मिलाकर बनाया जाता है।

सफ़ेद फूल चढ़ाएँ

शिवलिंग पर सफ़ेद फूल ही चढ़ाने चाहिए, यह कहा जाता है कि सफ़ेद फूल भगवान शिव को बहुत पसंद हैं। यह भी कहा जाता है कि भगवन शिव को भूलकर भी केवड़ा और चंपा के फूल नहीं चढ़ाने चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इन फूलों को भगवन शिव ने अभिशाप दिया था।

अभिषेक

जब भी शिवलिंग का अभिषेक करें इस बात का ध्यान रखें कि हमेशा शिवलिंग का अभिषेक चाँदी, सोने या पीतल से बने नाग योनी जैसे किसी पात्र में करना चाहिए। अभिषेक करते समय इस बात का भी ध्यान रखें की अभिषेक कभी भी स्टील के स्टैंड में नहीं करना चाहिए।

शिवलिंग पर चढ़ाया कभी ना खाएं

जो भी शिवलिंग पर चढ़ाएँ, उसे स्वयं कभी भी न खाएं, हमेशा शिवलिंग पर चढ़ाया हुआ दूसरों को बाँट देना चाहिए। जो शिवलिंग पर चढ़ाये हुए को स्वयं ही खा लेते हैं, ऐसा माना जाता है कि उनका भाग्य हीन हो जाता है।

सौन्दर्य की कोई भी वस्तु ना चढ़ाएँ

सिंदूर की तरह ही भूलकर कोई भी सौन्दर्य प्रसाधन की वस्तु को शिवलिंग पर नहीं चढ़ाना चाहिए। ऐसी चीजें केवल आप माँ पार्वती की मूर्ति पर चढ़ा सकते हैं।

भगवान शिव की अर्ध परिक्रमा क्यों... ?

शिवजी की आधी परिक्रमा करने का विधान है। वह इसलिए की शिव के सोमसूत्र को लांघा नहीं जाता है। जब व्यक्ति आधी परिक्रमा करता है तो उसे चंद्राकार परिक्रमा कहते हैं। शिवलिंग को ज्योति माना गया है और उसके आसपास के क्षेत्र को चंद्र। आपने आसमान में अर्ध चंद्र के ऊपर एक शुक्र तारा देखा होगा। यह शिवलिंग उसका ही प्रतीक नहीं है बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड ज्योतिर्लिंग के ही समान है।

अर्द्ध सोमसूत्रांतमित्यर्थं शिव प्रदक्षिणीकुर्वन सोमसूत्र न लंघयेत ।। इति वाचनान्तरात।

सोमसूत्र-

शिवलिंग की निर्मली को सोमसूत्र की कहा जाता है। शास्त्र का आदेश है कि शंकर भगवान की प्रदक्षिणा में सोमसूत्र का उल्लंघन नहीं करना चाहिए, अन्यथा दोष लगता है। सोमसूत्र की व्याख्या करते हुए बताया गया है कि भगवान को चढ़ाया गया जल जिस ओर से गिरता है, वहीं सोमसूत्र का स्थान होता है।

क्यों नहीं लांघते सोमसूत्र-

सोमसूत्र में शक्ति-स्त्रोत होता है अतः उसे लांघते समय पैर फैलाते हैं और वीर्य निर्मित और 5 अन्तस्थ वायु के प्रवाह पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इससे देवदत्त और धनंजय वायु के प्रवाह में रुकावट पैदा हो जाती है। जिससे शरीर और मन पर बुरा असर पड़ता है। अतः शिव की अर्ध चंद्राकार प्रदशिक्षा ही करने का शास्त्र का आदेश है।

तब लांघ सकते हैं -

शास्त्रों में अन्य स्थानों पर मिलता है कि तृण, काष्ठ, पत्ता, पत्थर, ईंट आदि से ढके हुए सोम सूत्र का उल्लंघन करने से दोष नहीं लगता है,

लेकिन 'शिवस्यार्ध प्रदक्षिणा' का मतलब शिव की आधी ही प्रदक्षिणा करनी चाहिए।

किस ओर से परिक्रमा? भगवान शिवलिंग की परिक्रमा हमेशा बांई ओर से शुरू कर जलाधारी के आगे निकले हुए भाग यानी जल स्त्रोत तक जाकर फिर विपरीत दिशा में लौटकर दूसरे सिरे तक आकर परिक्रमा पूरी करें।

(वैश्विक चिंतन) भारत,अमेरिकी सामरिक, राजनीतिक और व्यापारिक संबंधों के क्या दूरगामी परिणाम होंगे

(संदर्भ प्रधानमंत्री की अमेरिकी यात्रा)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 20 से 23 जून तक अमेरिका यात्रा ने भारत अमेरिकी संबंधों की नई दिशा तय कर दी है इनके परिणाम आगे आने वाले कई दशकों तक याद किए जाते रहेंगेद्य भारतीय प्रधानमंत्री का व्हाइट हाउस तथा अमेरिका में जिस तरह से अभूतपूर्व स्वागत किया गया उससे तो लगता है कि ना तो पहले और ना ही बाद में इतना गर्व जोशी से किसी का स्वागत भी किया जाएगा भारत में रक्षा समझौतों के तहत 30 अत्याधुनिक ड्रोन कि 3 अरब डालर की खरीदी और जेट इंजन टेक्नोलॉजी का सौदा कर अपनी सामरिक स्थिति मजबूत कर ली है इसी तरह अन्य व्यापारिक समझौतों तथा कूटनीतिक मामलों में भारत और अमेरिका काफी आगे बढ़ गए हैं । अब भारत के अमेरिका से बराबरी और मित्रता का संबंध बन गया है। अमेरिका के पूर्व इतिहास को देखते हुए उसे अभी भी अति विश्वसनीय नहीं माना जा सकता। आजादी के बाद से भारत, रूस के साथ अच्छी मित्रता का आदी हो गया हैद्य भारत को पाकिस्तान के और चीन के विरुद्ध दोनों युद्धों में रूस की सेना ने अस्त्र, शस्त्र तथा सामरिक महत्व के मामलों में बहुत मदद की थी और उसका परिणाम यह हुआ था कि भारत ने इंदिरा गांधी के नेतृत्व में रूस की मदद से बढे मनोबल से जीत दर्ज की थी। पश्चिमी पाकिस्तान को मूल पाकिस्तान देश से अलग कर बांग्लादेश नामक एक स्वतंत्र राष्ट्र का निर्माण किया थाद्य इस तरह रूस हमारा परंपरागत मित्र रहा हैद्य पर पिछले एक दशक से अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल के बाद बिल क्लिंटन तथा डोनाल्ड ट्रंप और अब जोसेफ बाइडेन के कार्यकाल तक भारत की नज़दीकियां अमेरिकी प्रशासन से प्रगाढ़ हो गई है। भारत के अमेरिका के साथ व्यापारिक, सामरिक तथा अन्य महत्त्व की चीजों को लेकर कई समझौते हुए हैं, पर जैसा कि अमेरिका का चरित्र है वह भारत के साथ औपचारिक रूप से मित्रता जरूर कर ले पर युद्ध के समय भी यदि साथ दें, तो ही उसकी मित्रता महत्वपूर्ण है, अन्यथा भारत का परंपरागत मित्र रूस भी हमसे दूर ना हो जाए, यह आशंका सदैव बनी रहती है। भारत अमेरिकी संबंधों के सामरिक, राजनैतिक एवं व्यापारिक दूरगामी परिणाम क्या होंगे यह तो भविष्य ही बताएगा पर रूस की बहुमूल्य लंबी मित्रता के मूल्य पर अमेरिका से मित्रता करना भारत के लिए नुकसान दे ना हो जाए। इस बात पर भी बहुत गहराई से सोचने की आवश्यकता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विगत दिनों अमेरिकी यात्रा तथा अमेरिका से निकटता को दृष्टिगत रखते हुए,इसे भारत की कूटनीतिक सफलता कहें या अमेरिकी विदेश नीति की नई चाल जिसमें उसने भारत को अपने नजदीक लाकर पाकिस्तान पर मनोवैज्ञानिक दबाव डाला है। अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि एशिया में अमेरिका का सबसे नजदीकी दोस्त आने वाले कल के लिए भारत ही होगा और अमेरिका को धोखे में रख पिछले दो दशकों से तालिबानी आतंकवादियों को तन, मन, धन से अमेरिका तथा अफगानिस्तान के खिलाफ मदद के कारण अमेरिका के सभी सांसद, सीनेटर एवं पदाधिकारी बेहद नाराज चल रहे हैं। इन परिस्थितियों में अमेरिका का भारत के साथ जुड़ाव तथा गहरे संबंध पाकिस्तान को नागवार गुजर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में चुनाव के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो वायडेंन ने पाकिस्तान को जरा भी तवज्जो नहीं दी थी, कई देशों के राष्ट्र प्रमुखों से बात करने के बावजूद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान से बात करना भी मुनासिब नहीं समझा। पाकिस्तान इस बात को अच्छे से समझता है कि अमेरिका उससे पूरी तरह खफा है। अब चीन ने भी उसको जबरदस्त झटका दिया है, अपने चीनी इंजीनियरों की हत्या के बदले 38 लाख डॉलर का हर्जाना मांगा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी पाकिस्तान को नया कर्जा देने से साफ इनकार कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अधिकारियों का मानना है कि पाकिस्तान को अब यदि कर्ज दिया जाएगा तो उसके भुगतान की कोई गारंटी नहीं होगी,वह पैसा डूब ही जाएगा क्योंकि पाकिस्तान पूरी तरह से कंगाल हो चुका है। ऐसे में चारों तरफ से संकट में घिरे हुए पाकिस्तान ने अमेरिका के सामने घुटने टेक कर उन्हें अफगानिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ अपने एयरवेज को इस्तेमाल करने की अनुमति देने की पेशकश की है। न्यूज़ एजेंसी के अनुसार अमेरिकी प्रशासन ने कहा है कि अमेरिका अफगानिस्तान में सैन्य और खुफिया अभियानों के संचालन के लिए हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल के लिए एक सुरक्षित एयरबेस खोज रहा है और इसी कार्यक्रम में पाकिस्तान ने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल के लिए अपना एयरबेस देने को प्रस्तावित किया है। जिसका अभी औपचारिक समझौता होना बाकी है। सीएनएन ने बताया कि पाकिस्तान ने आतंक विरोधी कोशिशों और भारत के साथ संबंधों के बदले एक समझौता करना चाहता है पर समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। अमेरिकी प्रशासन और वाइट हाउस अभी भी यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि वह अफगानिस्तान में ना रहते हुए भी इस्लामिक स्टेट और अन्य आतंकी समूहों के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। मौजूदा परिस्थितियों में अमेरिकी सेना अफगानिस्तान तक पहुंचने के लिए पाकिस्तान हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करती है इसको लेकर अभी तक कोई औपचारिक समझौता नहीं हो सका है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पाकिस्तान अपना हवाई क्षेत्र देने के बदले अमेरिका से क्या-क्या लेना चाहता है। पाकिस्तान अपना एयरबेस तथा हवाई क्षेत्र के उपयोग की अनुमति के बदले में अमेरिका से पाकिस्तान के अंदरूनी हालात सुधारने के लिए डॉलर में कर्जा लेना चाहेगा पर दूसरी तरफ अफगानिस्तान में सैन्य उपस्थिति बनाने के लिए अमेरिका पाकिस्तान के साथ ताजिकिस्तान,ताजीकिस्तान

आदि देशों को विकल्प मान रहा है। लेकिन ये देश रूस को नाराज नहीं करना चाहते हैं। वर्तमान समय में अमेरिका मिडिल ईस्ट के देशों से उड़ान भरने के लिए मजबूर है। अब अमेरिकी प्रशासन तथा राष्ट्रपति इन सब की एक बहुत महत्वपूर्ण तथा प्रभावशाली विकल्प की तलाश में है। अमेरिकी राष्ट्रपति प्रशासन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अफगानिस्तान में आतंक विरोधी गतिविधियों की अपनी क्षमता तथा कार्रवाई को निर्बाध गति से बनाए रखना चाहते हैं, यद्यपि अमेरिकी सैनिक अफगानिस्तान की जमीन पर नहीं है लेकिन अमेरिका अफगानिस्तान में काम करने की अपनी क्षमता एवं इच्छा को बरकरार रखना चाहता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका अरबो डालर खर्च करने के बाद भी अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकवादियों के डर से परास्त होकर लौटा है। अमेरिका ने अफगानिस्तान में लगभग दो दशक अपनी सेना को बनाए रखा, और वहां के विकास के लिए रोड, अस्पताल, बांध, भवन बनाने के लिए तथा रक्षा खर्च के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया था। तालिबानियों के हाथों अपनी पराजय को अमेरिका इतनी आसानी से भुला नहीं सकता है। यह अलग मुद्दा है के तालिबानी और अफगानिस्तान के मामले में पाकिस्तान ने अमेरिका को पिछले 20 वर्षों से अंधेरे में रखकर जबरदस्त धोखा दिया और अफगानिस्तान में अमेरिकी पराजय का मुख्य कारण पाकिस्तान की रहा है। अमेरिकी सैनिकों तथा सेना की हर एक पल की जानकारी पाकिस्तान तालिबानी आतंकवादियों को मुहैया कराता रहा है और यही वजह है कि अमेरिकी सेना को अफगानिस्तान अचानक छोड़ना पड़ा। अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकवादियों के हाथों पराजय को अमेरिका कई सदियों तक नहीं भूलेगा और हर हाल में आतंकवाद के खिलाफ हो अपनी कार्रवाई को निरंतर जारी रख एशिया में अपनी ताकत बढ़ाने की फिराक में रहेगा।

और भारत से अपने मजबूत संबंध आगे बढ़ाना चाहेगा। लेकिन फिर भी जैसा कि इतिहास बताता है अमेरिका विश्वास के योग्य मित्र नहीं है। भारत को बड़ी ही सतर्कता के साथ अमेरिका तथा अन्य देशों से अपने संबंधों को बढ़ाना होगा।

-संजीव ठाकुर

भाजपा की टिफिन पार्टी में प्रभारी मंत्री, जिलाध्यक्ष टिफिन लेकर हुए शामिल

मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर विशेष संपर्क अभियान के अंतर्गत हुआ आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को शहर के मुरादपुरा हनुमान मंदिर परिसर में भाजपा की टिफिन पार्टी का आयोजन किया। इस आयोजन में जिले के प्रभारी मंत्री बृजेंद्र सिंह यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक सहित प्रदेश एवं जिले के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपने अपने घर से टिफिन लेकर पहुंचे और एक साथ भोजन किया। सभी ने भोजन को आपस में मिल बांटकर खाया और पार्टी की रीति नीति एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल 9 सालो पर चर्चा की।

टिफिन बैठक में आए प्रभारी मंत्री श्री यादव कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं में एकजुटता और पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए नए लोगों को पार्टी से जोड़ना ही टिफिन बैठक का उद्देश्य है। टिफिन बैठक का अर्थ सिर्फ टिफिन खाना ही नहीं है। इस बैठक के माध्यम से इस तरह की अनौपचारिक बैठकें करते रहना है। टिफिन बैठक में हमको अपने टिफिन का खाना दूसरे को खिलाना है इससे हम सभी में अधिक एकता का संचार हो और अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर पार्टी की ताकत कैसे बढ़ानी है, उस पर भी कार्य करना है। उन्होंने कहा की सबको साथ लेकर चलने वाला व्यक्ति ही आगे बढ़ेगा। ईमानदारी से काम और संतुष्टि ही हमारे लिए सबसे बड़ा सर्टिफिकेट है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को बेहतर काम करने की बात कही। उन्होंने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल के कार्यों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि जो विकास कार्य मोदी सरकार में हुए हैं वे कभी नहीं हुए थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक ने कहा कि मोदी सरकार के 9 साल के विकास कार्यों को लेकर हम सभी कार्यकर्ताओं को घर घर पहुंचना है। हमे 2023 में विधानसभा चुनाव एवं 2024 में लोकसभा चुनाव में भाजपा का परचम फहराना है। कार्यक्रम का संचालन जिला मीडिया प्रभारी एवं अभियान के जिला सहसंयोजक विजय जोशी ने किया एवं आभार जिला महामंत्री संतोष बराड़ा ने माना। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री क्षितिज भट्ट, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अंबाराम कराड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिसोदिया, पूर्व विधायक पुरोषोत्तम चंद्रवशी, पूर्व सीसीबी चेयरमैन शिवनारायण पाटीदार, जिला महामंत्री विजय सिंह बैंस, दिनेश शर्मा, नपा अध्यक्ष प्रेम जैन, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप चंद्रवशी, गोपाल राजपूत, विपुल कसेरा, किरण ठाकुर, अशोक कवीश्वर, आशुतोष श्रीवास्तव, श्याम टेलर, प्रमिला मुहाड़कर, मंडल अध्यक्ष नवीन राठौर, राधेश्याम गुर्जर, मोहनसिंह जादौन, रमेश चमन, कैलाश भिलाला आदि उपस्थित थे।

जिला स्तरीय क्विंज प्रतियोगिता का आयोजन 27 जुलाई को

शाजापुर, 03 जुलाई 2023/ मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश के समृद्धिशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कला, प्राकृतिक समृद्धि महापुरूषों, पर्यटन महत्व की संभावनाओं आदि से छात्रों को अवगत कराने तथा पर्यटन के माध्यम से जागरूक करने के उदेश्य से पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (डी.ए.टी.सी.सी) के माध्यम से 27 जुलाई 2023 (जिला स्तरीय) को क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है।इसके लिए कलेक्टर एवं जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद अध्यक्ष श्री किशोर कन्याल लं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संतोष टेगोर मो.न- 9826381964 को नोडल अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी श्री विवेक दुबे मो.न- 9424000024 को प्रभारी अधिकारी एवं उ.मा. शि उ.श्रे. शि महालक्ष्मी शाजापुर श्री हेमन्त दुबे मो.न- 9425034366 को क्विज मास्टर नियुक्त किया है।

प्रभारी मंत्री ने सीएम की सभा स्थल का किया निरीक्षण

5 को प्रस्तावित है सीएम का कार्यक्रम

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के शाजापुर जिले की गुलाना तहसील में 05 जुलाई 2023 को प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग राज्यमंत्री एवं शाजापुर जिला प्रभारी बृजेन्द्रसिंह यादव ने सीएम राइज विद्यालय एवं सभा स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रभारी मंत्री श्री यादव ने मुख्यमंत्री जी द्वारा होने वाले गुलाना तहसील के नवनिर्मित प्रदेश के प्रथम सीएम राइज विद्यालय के लोकार्पण समारोह को देखते हुए विद्यालय में किये गये निर्माण कार्यों एवं व्यवस्थाओं को देखा। श्री यादव ने निरीक्षण करने के साथ ही विद्यालय में निर्मित विभिन्न कक्षाओं, लाइब्रेरी, संगीत, डांस, प्रयोगशाला, विद्यालय परिसर, उद्यान, पार्क आदि का भ्रमण कर जायजा लिया। साथ ही उन्होंने गुलाना में सभा स्थल, हेलीपेड, पार्किंग व्यवस्था का भी निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, कलेक्टर किशोर कन्याल, पुलिस अधीक्षकयशपाल सिंह, डीएफओ मयंक चांदीवाल, अशोक नायक, विजय बैंस, जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, एनजीओ के अधिकारी, विद्यालय प्राचार्य सहित जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

शहर में गुरु पूर्णिमा पर मंदिरों में हुए कई आयोजन माता टेकरी पर हजारों भक्तों ने किए दर्शन

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरु पूर्णिमा का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। शहर के विभिन्न मंदिरों में सुबह से धार्मिक आयोजन का दौर जारी है। कई जगह गुरुपूजन तो कई जगह हवन का आयोजन हुआ। मंदिरों में दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। खासकर मां चामुंडा टेकरी पर आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर शहर सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालु भक्तों का तांता लगा रहा। हजारों भक्तों ने माता चामुण्डा ड्ड तुलजा भवानी के दर्शन किए। गौरतलब है कि माता टेकरी पर अषाढ़ी पूर्णिमा के अवसर पर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से लाखों की संख्या में माता भक्त दर्शन करने के लिए पहुंचते है।

बांगर दत्त मंदिर में सुबह से लगी भक्तों की भीड़-शहर से 10 किलोमीटर दूर बांगर स्थित दत्त मंदिर में सुबह से दर्शनार्थी भगवान दत्त के दर्शन करने पहुंचे। यहां पर सुबह से कई आयोजन हुए। यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गुरु पूर्णिमा पर प्रसादी का वितरण भी किया गया।

विभागीय समन्वय एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर की अध्यक्षता में आज विभागीय समन्वय एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में सीईओ श्री टैगोर ने सीएम हेल्पलाइन एवं जनसेवा अभियान में प्राप्त शिकायतों का समयसीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर उन्होंने उद्योग एवं रोजगार विभाग के अधिकारी को ÷मुख्यमंत्री सीखों कमाओं योजना÷ के तहत ज्यादा से ज्यादा युवाओं को विभिन्न ट्रेडर्स में प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालयों, आंगनवाड़ियों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने श्रम विभाग के अधिकारी को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में असंगठित श्रमिकों का बीमा कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारी को जिले के मेधावी विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिये। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारी को किसानों के कल्याण के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से किसानों को जागरूक कर उन्हें उन योजनाओं में लाभांवित करने के निर्देश दिये। डीडीओ को रिकंसिलेशन की जानकारी जिला कोषालय अधिकारी को भेजने के लिए निर्देशित किया गया।

इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर श्री नरेन्द्र नाथ पाण्डेय, कलेक्टर श्री अजीत श्रीवास्तव, वरिष्ठ जिला कोषालय अधिकारी श्री जीएल गुवाटिया, तहसीलदार श्रीमती मधु नायक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

गौवंश के अवैध परिवहन में प्रयुक्त एक वाहन का अधिहरण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर किशोर कन्याल ने गौवंश के अवैध रूप से परिवहन करने के उपयोग में लाये गये एक वाहन का अधिहरण के आदेश दिये है। विगत 30 मई को गौवंश के अवैध रूप से परिवहन में जप्त किए गए वाहन बोलेरो पिकअप क्रमांक एमपी 12- जीए 1905 को अधिहरण करने के आदेश दिये हैं। साथ ही आदेश के विरूद्ध अपील अवधि 30 दिवस व्यतीत होने के बाद उक्त वाहन को नीलाम करने के लिए जिला परिवहन अधिकारी शाजापुर को आदेश दिया गया है।

डेंगू निरोधक कार्यशाला का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मलेरिया कार्यालय शाजापुर में आज डेंगू निरोधक माह-2023 की कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित मलेरिया निरीक्षक एवं लेब टेक्निशियन को निर्देशित किया गया कि वे अपने ब्लॉक में डेंगू एवं चिकनगुनिया से बचाव एवं रोकथाम के लिए जनसमुदाय में व्यापक प्रचार-प्रसार कर जनजागृति लाएं।

जिला मलेरिया अधिकारी श्री आर.एस. जाटव ने डेंगू जनजागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डेंगू एवं चिकनगुनिया से मुक्ति के लिए जनजागरूकता रथ सम्पूर्ण नगरीय सीमा में भ्रमण कर डेंगू से बचाव की जानकारी के पेम्पलेटस वितरण से प्रचार-प्रसार करने का कार्य भी करेगा।

माह के प्रथम कार्य दिवस पर राष्ट्र गान राष्ट्रीय गीत एवं मध्यप्रदेश गान का गायन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। माह के प्रथम कार्य दिवस आज 03 जुलाई 2023 को शाजापुर जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर की उपस्थिति में सभी शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम, राष्ट्रगान जन-गण-मन एवं मध्यप्रदेश गान का गायन किया। इसके पूर्व जिला पंचायत सीईओ श्री टैगोर ने मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्री अजीत श्रीवास्तव भी उपस्थित थे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों सम्मानित

कार्यो की समीक्षा के आधार पर माह जून-2023 में उत्कृष्ट कार्य करने शासकीय सेवकों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

शासकीय सेवक में अवंतिपुर बड़ोदिया नायब तहसीलदार नाहिद अंजुम को पीएम किसान अंतर्गत आधार एवं बैंक खाता लिकिंग व पीएम किसान ईकेवायसी में शाजापुर जिले में टॉप स्थान प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। इसी तरह सीएम हेल्पलाइन में राजय स्तर पर टॉप-5 में स्थान प्राप्त करने वालों में प्रथम रैंक हासिल करने पर कृषि विभाग, खाद्य विभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री अजय खराड़िया, ऊर्जा विभाग के कनिष्ठ यंत्री श्री इमरान हुसैन एवं सहा.श्रेणी-03 कु. बन्दना निवारे एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर सहकारिता विभाग की बैंकिंग सहायक कु. नेहा टैगोर एवं श्री मनोज सक्सेना को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पर्यटन क्विज प्रतियोगिता के लिए पंजीयन 8 जुलाई तक, प्रतियोगिता 27 को

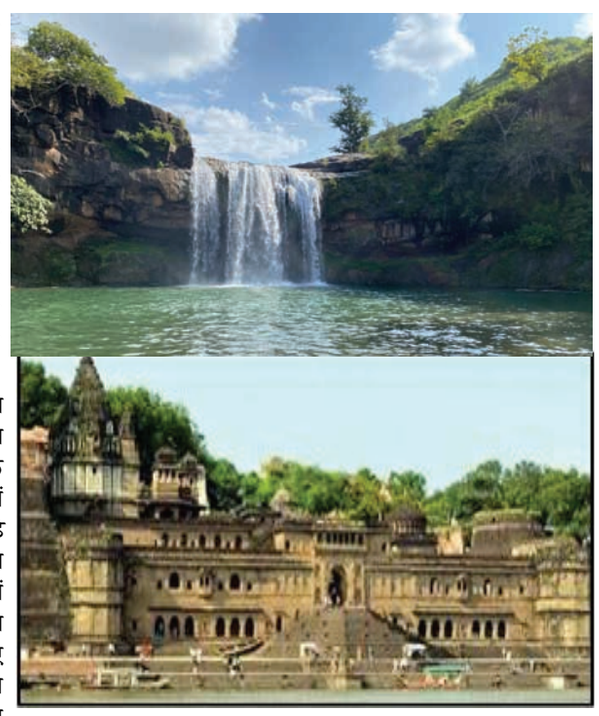

खरगोन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मप्र पर्यटन बोर्ड द्वारा प्रदेश के समृद्धिशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कला, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरूषों, पर्यटन महत्व की संभावनाओं आदि से छात्रों को अवगत कराने तथा पर्यटन के माध्यम से जागरूक करने के उद्देश्य से ''पर्यटन क्विज प्रतियोगिता'' का आयोजन किया जाता है। इसी अनुक्रम में इस वर्ष भी पर्यटन क्विज प्रतियोगिता-2023 का आयोजन 27 जुलाई को किया जा रहा है। पर्यटन क्विज के नोडल अधिकारी श्री नीरज अमझरे ने बताया कि प्रतिवर्ष जिले के शासकीय एवं निजी हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के छात्र बडे उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। इसमें प्रथम तीन विजेता टीमों को तीन दिन दो रात एवं उपविजेता तीन टीमों को दो दिन एक रात के लिए मप्र के किसी भी पर्यटन स्थल पर ले जाया जाता है जिसमें आवास, भोजन एवं परिवहन की व्यवस्था पर्यटन विभाग द्वारा की जाती है।

27 जुलाई को पंजीकृत टीमें प्रातः 10 से 12 बजे तक लिखित परीक्षा से गुजरेगी। लिखित परीक्षा में चयनित 6 टीम मल्टी क्विज राउण्ड से गुजरेगी जो कि दोपहर 2.30 से 4.30 बजे तक होगा। जिला शिक्षा अधिकारी समस्त निजी एवं शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी शालाओं को अपनी टीम का ऑनलाइन पंजीयन की अंतिम तारीख 08 जुलाई के पूर्व https://www.tourism.mp.gov.in// पोर्टल पर पंजीयन करने के निर्देश जारी किए गए हैं। खरगोन जिले के पर्यटन स्थल अहिल्या किला एवं नर्मदा घाट महेश्वर, सिरवेल महादेव मंदिर, नवग्रह मंदिर खरगोन, चिड़िया भड़क, महाकालेश्वर, बलालेश्वर मंदिर ऊन बुजुर्ग, बाजीराव समाधि स्थल रावेरखेड़ी, जामगेट, भापसी कुण्ड, दाना कुंडी झरना, बिजागढ महादेव शामिल है।

ई-ऑफिस प्रारंभ नहीं करने वाले शासकीय कार्यालयों एवं विभागों पर होगी कार्रवाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश विधानसभा अतारांकित प्रश्न क्रमांक 710 द्वारा विधायक श्रीविनय सक्सेना (सत्र जुलाई 2023) में ई-ऑफिस प्रणाली के संबंध में प्रश्न पूछा गया है। जिसके अंतर्गत कार्यालयो द्वारा ई-ऑफिस उपयोग ना करने वाले शासकीय कार्यालयों एवं विभागों पर क्या दंडात्मक कार्यवाही की गई, की जानकारी भी चाही गई है।

इस संबंध में कलेक्टर श्री किशोर कन्याल ने सभी शासकीय कार्यालयों एवं विभागों को ई-ऑफिस प्रणाली का उपयोग किये जाने के लिए सख्त निर्देश दिये हैं कि जिन विभागों के द्वारा 31 अगस्त 2023 तक ई-ऑफिस प्रारंभ नही होगी, उनके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। ई-ऑफिस प्रणाली विभागों तथा कार्यालयों में लागू करने के संबंध में तकनीकी जानकारी तथा समस्या होने पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री विवेक महावर (8839731976) से संपर्क करें।

गौवंश एवं शराब के अवैध परिवहन में प्रयुक्त दो वाहनों का अधिहरण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री किशोर कन्याल ने गौवंश एवं शराब के अवैध रूप से परिवहन करने के उपयोग में लाये गये दो वाहनों के अधिहरण के आदेश दिये है।

विगत 24 दिसम्बर 2018 को गौवंश के अवैध रूप से परिवहन में जप्त किए गए लोडिंग ट्रक क्रमांक एमपी09-जेएफ3094 एवं विगत 27 अगस्त 2016 को शराब के अवैध रूप से परिवहन में जप्त किए गए बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी42-टी0163 को अधिहरण करने के आदेश दिये हैं। साथ ही आदेश के विरूद्ध अपील अवधि 30 दिवस व्यतीत होने के बाद उक्त वाहनों को नीलाम करने के लिए जिला परिवहन अधिकारी शाजापुर को आदेश दिया गया है।

नगर कोतवाल के दरबार में लगा भक्तों का मेला

दिनभर गुरू वंदना में व्यस्त रहे शहरवासी, जगह-जगह चला धार्मिक आयोजनों का दौर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरूपूर्णिमा का पर्व शहर में धूमधाम से मनाया गया। कहीं पर पूर्णाहूति हुई तो कहीं पर गुरू की महिमा का बखान किया गया। वहीं विद्यालयों में भी गुरू पूर्णिमा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। तो नगर कोतवाल के दरबार भैरव डूंगरी पर भी जनसैलाब उमड़ पड़ा जहां भक्तों ने नगर कोतवाल को आस्था का भोग लगाकर परंपरा का निर्वहन किया।

सुबह करीब 6 बजे से ही भैरव डूंगरी के पुजारी द्वारा बाबा भैरव नाथ का अभिषेक कर श्रृंगार व पुजन किया। इसके बाद से ही वहां लोगों का आना-जाना शुरू हो गया और यह सिलसिला शाम तक जारी रहा। तो शाम को भी नगर कोतवाल के दरबार में भारी भीड़ जमा थी। शाम को भैरव डूंगरी पर बाबा भैरव नाथ की महाआरती कर पूजन-अर्चन किया गया।

बदल गया टेकरी का स्वरूप

कुछ साल पहले भैरव डूंगरी पर पहुंचना भी आसान नहीं था। यदि यहां कोई पहुंच भी जाता तो जहरीले जीवों का खतरा होता था, लेकिन प्रशासन द्वारा इसकी सुध ली गई और यहां सुविधाओं का विस्तार किया गया। अब यहां चढ़ने के लिए सीढ़ियों की भी सुविधा है तो रात में लाईटिंग भी जगमगाती है। इसके अलावा मौसम खराब हो या तेज बारिश हो तो वहां अब लोगों को ठहरने के लिए यात्री प्रतीक्षालय की सुविधा भी जिला प्रशासन द्वारा मुहैया कराई गई है। यही वजह है कि हर साल यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। सोमवार को भी यहां हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर बाबा भैरव नाथ के दर्शन कर मंगल कामनाएं की।

यहां भी हुए आयोजन

शहर के नित्यानंद आश्रम, कौटिल्य विद्यालय, ब्रह्मकुमारी आश्रम, अखंड आश्रम, बापू की कुटिया पर भी गुरूपूर्णिमा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। एबी रोड स्थित कौटिल्य एज्यूकेशन एकेडमी में भी गुरू पूर्णिमा का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय संचालक ब्रजेश यादव ने बच्चों को गुरू की महिमा के बारे में बताया और अपील की कि बच्चे यदि अपने गुरू और माता-पिता की बात और उनकी हर सलाह मानेंगे तो कभी पछतावा नहीं होगा और हमेशा सफलता मिलेगी। इधर बापू की कुटिया पर गुरू पूर्णिमा पर यज्ञ की पूर्णाहूति हुई जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने शामिल होकर गुरू वंदना की। नागनागनी रोड स्थित अखंड आश्रम में भी गुरू पूर्णिमा पर्व मनाया गया। यहां जनप्रतिनिधियों ने गुरू जी का आशीर्वाद लिया। सोमवारिया बाजार स्थित भैरव महाराज के मंदिर में भी व्यवसायियों द्वारा पूजा-अर्चना कर महाआरती कर प्रसादी वितरण किया गया।

जय जय सियाराम के जय घोष से गूंज उठा किया परिसर

असामाजिक तत्व बदनावर की फ़िज़ा में विष घोलने में कामियाब नही हो पाए

मामला रामधुन टॉवर का

बदनवार/मनीष शर्मा/दैनिक मालवा हेराल्ड। शरीर मै जहा तक प्राण हे वहा तक लड़ते रहेंगे राम धुन टावर लगा रहेंगे हमे हमारे भारत मै राम जी की टावर अगाने के लिऐ किसी की परमिशन की जरूरत नही है। उक्त कथन भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अक्षय शर्मा ने श्री रामधुन टॉवर निर्माण के लिए हुई बैठक में माली धर्मशाला बदनावर में कही। बैठक में राजपूत करणी सेना व वरिष्ठ पत्रकार पोप सिंह (पप्पी बना) ने प्रशासन द्वारा अकारण ही टॉवर निर्माण में अनुमति नहीं देने की बात कही। आज रामजी के लिए अपने ही देश में प्रशासन अनुमति देने से मना कर रहा है यह बहुत ही शर्म की बात है। अपने जोशीले उदबोधन से बैठक में शामिल सभी जनसमुदाय में जोश भर दिया पप्पी बना ने । कार्यक्रम में उज्जैन से आए संत महाराज यतेंद्र जी सरस्वती ने भी राम मंदिर के लिए 500 वर्ष के हिंदुओ के संघर्ष की दास्तान बताई एवं हिंदू समाज को अपने अस्तित्व की रक्षा हेतु कई गंभीर विषय पर सभा को संबोधित किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व श्री वैष्णव पंच के अध्यक्ष जी.पी. सिंह ने भी रामधुन टॉवर के लिए वैष्णव पंच से प्रस्ताव पारित पत्र सभा में सोपा व अपने व्यक्तव जाहिर किए। भाजपा के वरिष्ठ नेता व रामजन्म भूमि आंदोलन में कारसेवक धर्मेंद्र शर्मा, प्रजेंद्र भट्ट, उद्योग मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तिगाव के प्रतिनिधि के तौर पर विजय सिंह पंवार, मनोज सोलंकी, कांग्रेस मीडिया प्रभारी महेश पाटीदार, नगर परिषद पार्षद जितेंद्र शर्मा, विजय अवस्थी, मांगीलाल जाट, प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, ग्रामीण पत्रकार संघ अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह जादौन, डॉ. गोपाल सिंह ठाकुर ने उद्बोधन में श्री रामधुन टॉवर निर्माण के लिए अपना अपना मत रखा। बैठक का संचालन बजरंगदल के लखन सिंह जादौन ने किया था। बैठक में नगर सहित अंचल के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

जय जय सियाराम के जय घोष से टॉवर की नीव पूजन किया

सभा समापन पश्चात किले पर सभाजन ने जाकर जय जय सियाराम के जयघोष से भूमि पूजन हिंदू वर्ग के वरिस्थजनों के हाथो से किया गया। एवं संकल्प लिया गया की अतिशीघ्र ही श्रीराम धुन टॉवर स्थापित होगा। यही पर वरिष्ठ भाजपा नेता धर्मेंद्र शर्मा ने किले परिसर पर स्तिथ मजार के इतिहास के बारे में जनता को बताया की उक्त मजार सजन सिंह मस्तान के शाहिद होने पर उनकी समाधि थी। पुरात्वविदो द्वारा बताया गया की काल खंड में मुस्लिम वर्ग ने उसे मजार बता कर सजदा करने लगे। कोरोना अवधि में लोगो का आना बंद था उस दौरान इस मजार की पक्का बना दिया गया।

प्रशासन की मुस्तैदी से बदनावर में शांति

इधर टॉवर का भूमि पूजन हो रहा था उधर कुछ असामाजिक तत्व बदनावर की फिज़ा खराब करने की कोशिश में लगे थे। अचानक से एक वर्ग विशेष समुदाय की भीड़ इक्ट्ठा होने से बदनावर में तनाव की स्थिती निर्मित होने लगी। जैसे ही प्रशासन को इसकी भनक लगी वैसे ही टीआई विश्वदीप सिंह परिहार, एवं तहसीलदार मुकेश बामनिया ने मौके पर जाकर स्तिथि को संभाला । जिससे बदनावर में शांति बनी रही। हालांकि स्थिति के मद्देनजर बाहर से भी पुलिस फोर्स बुलाया गया था। अचानक से बदनावर की दुकानें बंद होने से कई लोगो में रातभर भय का माहोल बना रहा।

ज्ञात हो की श्री रामधुन टॉवर के लिए हिंदू समाज पिछले एक माह से अधिक समय से बदनावर की सबसे ऊंची चोटी किले परिसर में स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। परंतु प्रशासन ने उक्त भूमि को पुरातत्व संपति की आड़ में अनुमति देने से मना कर दिया है, जिससे टॉवर निर्माण में सहयोग करने वाले हिंदू समाज में भारी रोश व्याप्त है।

मप्र कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग का धार जिलाध्यक्ष निर्देश सोनगरा को नियुक्त किया गया

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्व मुख्यमंत्री एवं मप्र कांग्रेस कमेटी प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथजी की अनुशंषा पर मप्र कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग प्रदेश अध्यक्ष शशांक शेखर ने सगठन का धार जिलाध्यक्ष निर्देश सोनगरा को नियुक्त किया गया। सोनगरा की नियुक्ति पर प्रभादेवी बालमुकुंदसिंह गौतम, ब्लॉक अध्यक्ष केसुर सुनिल सांखला, कानवन ब्लॉक अध्यक्ष बद्रीलाल पाटीदार, बदनावर ब्लॉक अध्यक्ष घनश्यामसिंह डोडिया, अशोक डावर, शंकर सिंह चौहान, युकां प्रदेश सचिव चेतनसिंह राठौर, महेश पाटीदार, देवपालसिंह जादव, दिलीप निनामा, चंदन भुरिया, बबलु भाभर, बलराम चौधरी, राधेश्याम तारोदिया, इश्हाक मंसुरी, महिपालसिंह पंवार, साजिद खान , हरिश मागलिया, निर्मल वर्मा, मुकेश होती, राकेश चौधरी,संदीप माहेश्वरी, प्रकाश निनामा, गजेन्द्रसिंह पटेल, भरत पाटीदार, ईश्वरसिंह, बालकृश्ण पाटीदार, धर्मंद्रसिंह पटेल, हरिनारायण चौहान, धर्मेन्द्रसिंह पलवाडा, राहुल गुर्जर, धमेन्द्रसिंह छायनखुर्द, प्रवीण पटेल, भगवतीलाल, ईश्वरसिंह दोलतपुरा, हिम्मतलाल पाटीदार, डुंगरसिंह राठौर, बाबुलाल भाटी, मुकेश मारु, जगदीश कोद, प्यारचंद पाटीदार, गोपाल पटेल, ईश्वर डांगी, रामप्रसाद मावतिया, मुलचंद, कुलदीप डांगी, नारायण डोडिया, कृश्णा चौधरी, विनोद शर्मा, विकास जाट, चेतनसिह कोद, निलेश वैश्णव, मोहब्बत पटेल, इश्हाक मंसुरी, शाकिर खान, वरदीचंद माली, प्रकाश पालौत्रा, बृजेश चौधरी, दशरथ धोरा, रवि धोरा, विश्ण मारशल, विश्णु छपनिया, इशहाक मंसुरी, गजेन्द्रसिंह पटेल, पवन ठाकुर, मुलचंद सोलंकी, हरिराम चौहान, अंतरसिहं, कृश्णा कछावा, धर्मराज पाटीदार, बाबुलाल सरवाल, गज्जु पटेल, योगेश सिर्वी, राजु सिन्हा, मुन्नालाल डामर, विकास डावर, राजेश कश्यप, रामसागर डामर, प्रकाश भुरिया, राकेश डावर, जितेन्द्र चौधरी, जगदीश मसार, शंकर डामर, संदीप छपनिया, गोपाल गुर्जर, मनोज परमार, विनोद प्रजापत, नंदराम वसुनिया, कई कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। जानकारी मिडिया प्रभारी महेश पाटीदार ने दी।

प्रसिद्ध वृक्ष मंदिर श्री उण्डेश्वर धाम जयंती माता स्थल पर भव्य स्वागत द्वार निर्माण के लिए भूमि पूजन व वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ

बदनावर/चिराखान/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरु पूर्णिमा के पावन प्रसंग एवं हरियाली लाओ जल बचाओ अभियान के 23 वें वर्ष के अवसर पर बदनावर तहसील के चिराखान में दसई- लाबरिया मुख्य रोड़ पर प्रदेश का प्रसिद्ध वृक्ष मंदिर श्री उण्डेश्वर धाम जयंती माता स्थल पर लगभग पांच लाख की लागत से स्वागत द्वार निर्माण के लिए भूमि पूजन, वृक्षारोपण एवं शिवबाबा का जलाभिषेक किया गया। धाम पर सुरक्षा की दृष्टि से सीसी टीवी कैमरे लगाए गए। स्मरण रहे कि माँ जयंती धाम व श्री उण्डेश्वर धाम में संस्था द्वारा पिछले दो दशकों से यहां की पावन भूमि पर लगातार वृक्षारोपण किया जा रहा है एवं वृक्षारोपण के लिए क्षेत्र में जनजागृति का संदेश भेजा जाता है।

25 हजार से भी अधिक पौधा रोपण किया गया

वर्तमान समय में दोनों मंदिरों के परिसीमन क्षेत्र की पथरीली पहाड़ी पर चरणबद्ध वृक्षारोपण अभियान चलाकर 25 हजार से भी अधिक पौधे का रोपण किया जा चुका है। लगाए गए इन पौधों ने वर्तमान में वृक्ष का रूप ले धारण कर लिया है। संस्था द्वारा अन्य स्थानों पर भी वृक्षारोपण किया गया।

95 हजार से भी अधिक पौधे वितरित कर दिए

क्षेत्रभर में पर्यावरण प्रेमियों को 95 हजार से अधिक पौधों का वितरण भी किया जा चुका है। जल संरक्षण, भूमि संरक्षण व लोक कल्याण कार्यों को लेकर समिति वर्षभर कोई न कोई संदेश जन जागृति का देती है। इस अवसर पर अतिथियों ने वृक्ष मंदिर में विराजमान भोलेनाथ के दर्शन किए। यहां लगाए गए एक लाख से भी अधिक वृक्षारोपण को देखा। सेवा समिति की दो दशक अथक प्रयासों की प्रसन्ना व्यक्त करते हुए सभी सेवा सदस्यों को बधाई दी।

108 बिल्व पत्र पौधे लगाने का लिया संकल्प

अतिथियों द्वारा विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर बिल्वपत्र ई का पौधा लगाया गया एवं सावन मास में 108 बिल्वपत्र के पौधे लगाने का संकल्प लिया गया। तत्पश्चात 18 बाई 20 फीट के स्वागत द्वार का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के रामकरण पटेल ने कहा कि इस स्वागत द्वार का निर्माण केवल जन सहयोग से किया जा रहा है ना कि किसी सरकारी सहायता से किया गया। इसमें कोई भी व्यक्ति दान स्वरूप राशि भेंटकर सकता है। इस अवसर पर जयंती धाम संस्था दसई के रामकरण पटेल, परमानन्द पाटीदार, गोपाल पाटीदार, दशरथ, शिवनारायण, जगदीश डावर, खेमचन्द जायसवाल, सहायक सचिव पप्पुलाल यादव सहित चिराखान, पदमपुरा, बालोद जयंतीमाता, आदि गाँवो के पर्यावरण प्रेमी एवं शिवभक्त उपस्थित थे। उक्त जानकारी खेमचन्द जायसवाल द्वारा दी गई।

अनाज व्यापारी के यहां चोरी, चोर टॉमी और सब्बल छोड गए

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंडी रोड स्थित कब्रिस्तान के पास बीती रात तीन दुकानों में चोरी का प्रयास हुआ। एक गोदाम का शटर उचकाकर अज्ञात बदमाश सोयाबीन चुरा ले गए। मंडी रोड पर दिलीप पिता मन्नालाल शर्मा व इरशाद मंसूरी की दुकान में शटर तोड़ने का प्रयास किया। सफल नहीं होने पर पास में ही दिलीप शर्मा के किराए के गोदाम का शटर उचका कर 6 क्विंटल सोयाबीन चुरा ले गए। व्यापारी ने बताया कि सुबह जब दुकान खोलने के लिए घर से निकले और दुकान पर पहुंचे तो देखा गोदाम का ताला टूटा था। गोदाम के बाहर सोयाबीन के दाने बिखरे हुए पड़े थे। पास ही में चोर टॉमी और संबल वहीं छोड़कर भाग गए। अनुमान लगाया जा रहा है कि चोर एक से अधिक थे ।चोरी गई सोयाबीन की कीमत 30 हजार रुपए बताई गई। बाद में पुलिस को सूचना दी गई सूचना पर बदनावर थाने से ए एस आई पी एस बोरा प्रधान आरक्षक दिनेश भाभर पहुंचे और दुकानों का मौका मुआयना किया।

17 ग्राम पंचायतों में खोली जाएगी नवीन उचित मूल्य दुकानें, आवेदन 10 जुलाई तक

खरगोन/दैनिक मालवा हेराल्ड। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता विभाग के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय उचित मूल्य की दुकानें खोली जाएगी। प्रभारी खाद्य आपूर्ति अधिकारी श्री भारत जमरे ने जानकारी देते हुए बताया कि 17 दुकान विहीन ग्राम पंचायतों में नवीन दुकानें खोली जाएगी।

उचित मूल्य दुकाने खोलने के लिए 16वें चरण के लिए ऑनलाइन आवेदन 10 जुलाई तक कर सकते है। यह दुकानें मप्र सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा-10 की उपधारा (1) के अंतर्गत उपभोक्ता समितियों के लिए पात्र होगी। इसमें महिला स्व सहायता समूह और संयुक्त वन प्रबंधन समिति भी पात्र होगी।

इन ग्राम पंचायतों में खोली जानी है दुकानें

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जिले के 5 अनुभागों की 17 दुकान विहिन ग्राम पंचायतों में उचित मूल्य की दुकाने खोली जानी है। इनमें खरगोन अनुभाग की ग्राम पंचायत सोनीपुरा, मांगरूल बुजुर्ग, दसंगा में, भीकनगांव अनुभाग की बडिया सहेजला, नुरियाखेड़ी में, मण्डलेश्वर अनुभाग की ग्राम पंचायत बंजारी, सिटोका, महोद में, बड़वाह अनुभाग के बिंजलवाडा, फनगांव, जुलवानिया, राहडकोट, टेमला में तथा कसरावद अनुभाग की कोण्डापुरा, बामन्दा, बारदेवला और सोनखेडी ग्राम पंचायतों में दुकाने खोली जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन पर 50 दिवस से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें

पर्यटन क्विज प्रतियोगिता के प्रचार के लिए पोस्टर का हुआ विमोचन

खरगोन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती शर्मा ने जिन विभागों में सीएम हेल्पलाईन पर लंबित शिकायतें हैं उन्हें प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही 50 दिवस से लंबित शिकायतों पर विशेष फोकस कर आगामी 15 तारीख तक 80 प्रतिशत करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती शर्मा ने आगामी समय में होने वाले विधानसभा निर्वाचन की भी समीक्षा की। उन्होंने समीक्षा करते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 5 जुलाई को ईआरओ नेट सॉफ्टवेयर बंद कर दिया जाएगा। इसलिए संबंधित अधिकारी ईआरओ नेट बंद होने से पूर्व मतदाओं के नाम, जोड़ने, हटाने तथा संशोधन संबंधी कार्य पूर्ण कर लें। वहीं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती शर्मा ने पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित की जा रही पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2023 के प्रचार पोस्टर का भी विमोचन किया। ज्ञात हो कि पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन 27 जुलाई को किया जाना है। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जेएस बघेल, सभी डिप्टी कलेक्टर्स, कसरावद एसडीएम श्री अग्रिम कुमार, मण्डलेश्वर एसडीएम श्री अनिल जैन व जिला अधिकारी कलेक्टर सभाग्रह में व जनपद स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े रहे।

स्थापना एवं जन्मदिवस पर सुंदरकांड संग जीवन प्रबंधन पर प्रवचन

यथा नाम तथा गुण से ओतप्रोत शैक्षणिक संस्थान द संस्कृति ग्लोबल स्कूल के स्थापना दिवस एवं सुपुत्र कृष्णराजसिंह सिसोदिया के जन्मदिन पर पिता एवं स्कूल संचालक पूर्व विधायक वीरेंद्रसिंह सिसोदिया ने सुंदरकांड संग जीवन प्रबंधन पर पंडित विजयशंकर मेहता के प्रवचन के माध्यम से उत्सव को प्रेरक महोत्सव के रूप में यादगार बनाने की बेमिसाल छाप छोड़ी। संस्कृति के सभागार में कुलदीप सोनी एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत सुंदरकांड की स्वर लहरियों से श्रोता बंधे रहे।

सुंदरकांड की सफलता की कहानी पंडित विजयशंकर मेहता की जुबानी

शिक्षा के पावन प्रांगण में जीवन प्रबंधन का गुरुमंत्र जब पंडित विजयशंकर मेहता के श्रीमुख से गुंजायमान हुआ तो श्रोता हतप्रभ मुद्रा में तालियों से उन्हें समर्थन देते रहे। अद्भुत सुखद संयोग के दौरान मेहता ने कहा कि अनेक साहित्य में एक सुंदरकांड हैं। यह हनुमान जी का शब्दावतार है, सफलता की कहानी है।

जीवन प्रबंधन के संदर्भ में पंडित मेहता कहते हैं कि सुख शांति है तो जीवन सुंदर है। सुख है पर शांति ? अशांति के पांच रास्ते संसार, संपत्ति, संबंध, स्वास्थ्य, संतान हैं। आपने कहा कि औलाद की मार से फौलाद को टूटते देखा है। आपने उपस्थितजनों को सीख देते हुए कहा कि यदि परिवार में वृद्धावस्था उदास है तो पूजा-पाठ व्यर्थ है। हृदय में भगवान होठों पर मुस्कान ही हनुमान जी का नारा है। आपने कहा कि मुस्कुराइए कथा में सिरीयस क्यों ? हाथ से ताली, होंठ से मुस्कान के साथ कभी उदास नहीं रहे। बात-बात में संकल्प दिलाते हुए पंडित मेहता ने कहा कि यदि कोई उदास दिखे तो उससे पूछताछ करें। सदैव मुस्कुराते रहे। घर में आवागमन भी मुस्कुराहट के साथ हो, रामकाज की व्याख्या में पंडित मेहता ने कहा कि लक्ष्य के प्रति समर्पण ही रामकाज है। छोटा 7 बड़ा व्यक्ति नहीं होता अपितु नियत होती है। सुंदरकांड से मन की धुलाई हो जाती है, जीवन प्रबंधन के पुष्प उड़ाते हुए पंडित मेहता कहते हैं संघर्ष करें, उदास ना रहे, मंदिर ऊर्जा के केंद्र है, तुलसी शांति का पौधा है, वहां गोधूलि बेला में एक दीप अवश्य जलाएं लडना खुद के लिए मुस्कुराना दूसरों के लिए। दुर्गुणों से सावधान रहे तथा भगवान भरोसे का दूसरा नाम है। आपने अपील करते हुए कहा कि हनुमान जी को गुरु बना ले सुरक्षा हेतु राखी पर एक धागा हनुमान जी को बांधे। अच्छाई और सच्चाई के मार्ग पर चलने के दृढ़ संकल्प के साथ वीरेंद्रसिंह सिसोदिया ने कहा कि आज का दिन मेरे जीवन का सर्वश्रेष्ठ दिन है। प्रेरक आयोजन में कृष्णराजसिंह सिसोदिया द्वारा आभार के उपरांत उन्हें पुष्पमाला पहनाने का सिलसिला चला। मंगल आशीष आय शुभकामनाओं के साथ अनूठा आयोजन अमिट छाप छोड़ गया।

04 जून 2023- किन राशियों पर होगी प्रभु श्रीराम की कृपा, पढ़ें मंगलवार का दैनिक राशिफल

मेष राशि

आज का भविष्य - वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्?थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

उपाय-आज जातक पीपल के वृक्ष में दिया जलाएं, अच्छा रहेगा।

शुभ अंक-7

शुभ रंग-नीला

वृषभ राशि

आज का भविष्य - पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी से कोई भी कार्य न करें। विवाद में न पड़ें।

उपाय-आज घर में धूप दिखाएंगे तो सकारात्मकता बढ़ेगी।

शुभ अंक-4

शुभ रंग-हरा

मिथुन राशि

आज का भविष्य -बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा। आय होगी। व्यापार ठीक चलेगा।

उपाय-आज जातक चांदी का सिक्का खरीदेंगे तो अच्छा रहेगा।

शुभ अंक-7

शुभ रंग-गुलाबी

कर्क राशि

आज का भविष्य - थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा। समय अच्छा व्यतीत होगा। प्रसन्नता रहेगी।

उपाय-जातक आज सोने का आभूषण आपको लाभ देगा।

शुभ अंक-2

शुभ रंग-जामुनी

सिंह राशि

आज का भविष्य - विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। कुसंगति से दूर रहें। हानि संभव है।

उपाय-जातक आज केले का पेड़ लगाएँ।

शुभ अंक-4

शुभ रंग-गुलाबी

कन्या राशि

आज का भविष्य-उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जल्दबाजी न करें।

उपाय-जातक आज घर के मंदिर की सफाई करेंगे तो अच्छा रहेगा।

शुभ अंक-8

शुभ रंग-हरा

तुला राशि

आज का भविष्य - स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी मनोरंजक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं।

उपाय-आज जातक सुंदरकांड पढ़ेंगे तो धन की कमी दूर होगी।

शुभ अंक-5

शुभ रंग-लाल

वृश्चिक राशि

आज का भविष्य - दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

उपाय-जातक आज विष्णुसहस्त्रनाम का जाप करें।

शुभ अंक-2

शुभ रंग-हरा

धनु राशि

आज का भविष्य - लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा।

उपाय-जातक आज गायत्री मंत्र का जाप करें लाभ होगा।

शुभ अंक-1

शुभ रंग-लाल

मकर राशि

आज का भविष्य - वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। परिवार के साथ रहने का अवसर प्राप्त होगा। लाभ होगा।

उपाय-जातक आज सोना और चांदी घर लाएं

शुभ अंक-9

शूभ रंग-पीला

कुंभ राशि

आज का भविष्य - चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा। मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा।

उपाय-जातक आज के दिन कपड़े की खरीदारी करें।

शुभ अंक-6

शुभ रंग-सफेद

मीन राशि

आज का भविष्य - बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। समय सुखमय व्यतीत होगा।

उपाय-जातक सूर्य मंत्र का जाप करते हुए जल चढ़ाएं।

शुभ अंक-1

शुभ रंग-आसमानी

सदैव प्रसन्न रहिये।

जो प्राप्त है, पर्याप्त है।।

संजीव-नी।

गुज़री तमाम उम्र उसी शहर में कोई जानता न था
वाक़िफ़ सभी थे,पर कोई पहचानता न था..
पास से हर कोई गुजरता मुस्कुराता न था,
मेरे ही शहर में लोगों को मुझ से वास्ता न था।
मेरे टूटे घर में कोई दरवाजा ना था
बावजूद इसके कोई झांकता न था।
फकीर घूम घूम कर उपदेश देता रहा,
शहर के लोगों को उससे नाता न था।
शहर भी वही लोग भी है परिचित भी वही,
वक्त पर कोई साथ देगा इसका मुझे मुगालता न था।
इस भरी दुनिया में सब के सब हैं यहां,
पर किसी क़ा किसी से रिश्ता न था।
तेरी मेरी नहीं सबकी कहानी है यह,
खमोश रहने के अलावा कोई रास्ता न था।
खामोशी से मेरी हमेशा बातें होती रही है,
आवाज मेरी जिंदगी का कभी कोई रिश्ता न था।

-संजीव ठाकुर

// बदली छाई //

देखो कैसे बदली छाई।
हवा ने ली अंगड़ाई।
नीला अम्बर लगा गरजने;
दौड़ खूब बिजली लगाई।
बरसने लगा पानी जी भर;
हुई गीली धरती माई।
भीगती हुई चिड़िया रानी;
लौट नीड़ चली आई।
तैर रही कागज की;
नाव गली गली भाई।

-टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला

सब्ब के बाँटा लगे हे

जेती देकबे तेती अँधियारी लहरे हे
गाँ-गाँ-सहर ठउर-ठउर मा
रिस्वत-गबन के बिमारी के बगरे हे
नानकन पंच के काम ले
चाहे नेता-मंतरी के धाम ले
एक्के लएन कस चाँटी-चाँटा लगे हे।।सब्ब।।

लिकठा ला लेके पहार तक
चाँटी ला लेके हाथी के भार तक
सब्ब बुता होथे इकदम ठिन्ना
बनत रद्दा मा गिट्टी गिन ला
काम-बुता अब्बड़ मन-ठन के
तरि-उप्पर बाँहटा सब्बों झन के
तेकरे बर अमली कस लाटा लगे हे।।सब्ब।।

चाहे ककरो झोपड़ी जर जाय
चाहे ककरो खोपड़ी गल जाय
चाहे बनिहार के परान निकल जाय
चाहे देह ले परिधान निकल जाय
या फेर कोनो नवा पुल गिर जाय
या जियत मनखे के करेजा चुर जाय
बरोबरि लेहे बर पलुहा-काँटा लगे हे।।सब्ब।।

कोनोच-कोनो ला पाबे निकता
जेकर इमान कभु नइ बिकता
एसना मन करथे ठोर्रा काम
नइ जानय टरकाय के नाम
ओखर मा चड़थे जब बुता के सुरूर
करथे भुला के भीतर के गुरुर
फेर एसना मनके भक्कम घाटा लगे हे।।सब्ब।।

-चन्द्रकांत खुंटे क्रांति

कविताएं-2

आकलन

कुछ नेता ऐसे भी
होते हैं
जो साम्प्रदायिकता के
बीज बोते हैं
फिर उसमें
आग लगाते हैं
कितना होगा इससे
राजनैतिक फायदा
यह आकलन दर्शाते हैं
श्रोता का उत्तर
इस बार कवि ने मंच से
अपनी सबसे रद्दी कविता पढ़ी
फिर भी श्रोताओं ने
बड़े प्रेम से सुनी
खूब तालियाँ बजाई
कंठ से वाह! वाह! की
आवाज भी आई
कवि कविता रोककर
बीच में बोला
मेरी रद्दी कविता अच्छी लग रही हैं
इसमें भी खूब दाद मिल रही हैं
ऐसे श्रोता को मैं समझ नहीं पाया
ठहाके भी आपने खूब लगाया
सोचा था आप हूट करेंगे
मुझ पर टमाटर फेंकेंगे
एक श्रोता उठकर बोला
इतने बेवकूफ हम नहीं हैं
कि रद्दी कविता के लिए
कीमती सौ रूपयै किलो के
टमाटर फेंकेंगे?
सौ रुपयै बरबाद करेंगे

-रमेश मनोहरा

भावनानी के भाव

माता-पिता में ही ईश्वर अल्लाह समाया है

माता-पिता में ही ईश्वर अल्लाह समाया है
हजारों पुण्य फल माता-पिता सेवा में समाया है
सारे तीरथ बार बार के तुल्य
माता पिता की सेवा एक बार है

माता पिता मेरे ईश्वर अल्लाह है
यही जमीन मेरी और आसमान हैं
वह खुदा मेरे और भगवान हैं
माता पिता के चरणों में सारा जहान है

माता-पिता हर घर की शान है
उनके बिना सब बेकार है
माता पिता है तो समाज में नाम है
हमारे लिए वह इंसान नहीं ईश्वर अल्लाह है

माता-पिता से ही मेरी पहचान है
दुनिया में बस यह दोनों ही महान है
नहीं चाहिए मुझे कुछ यह मेरे सब कुछ है
मैं उनसे वह मुझसे बहुत खुश हैं

जानवर से बदतर है जिसने किया
माता-पिता का अपमान है
किस्मत वाले हैं जिनके ऊपर
अभी माता-पिता दृष्टि मान है

ईश्वर अल्लाह से विनती मेरी है
माता पिता के साथ स्थिर रखना मेरे पल
समय का चक्र घूमता है पर कर दो अचल
माता पिता के चरणों में रखना ना भटकूं आज ना कल

- किशन सनमुख़दास भावनानी गोंदिया

क्या युविका महाजन कार्यालय जाना शुरू करेगी और अपने पिता के घोटाले के पीछे का रहस्य सुलझाएगी?

जीएनएस। सोनी सब का वंशज एक आकर्षक कहानी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहा है, जो पारिवारिक ड्रामा, राजनीतिक साज़िश और एक अमीर व्यावसायिक परिवार की पारस्परिक दृष्टिकोण का सही मिश्रण पेश कर रहा है। जैसे-जैसे कहानी सामने आती है, महाजन परिवार की युवा और महत्वाकांक्षी सदस्य युविका (अंजलि तत्रारी द्वारा अभिनीत) एक कर्मचारी के रूप में परिवार के कार्यालय में शामिल होने पर विचार करती है। उसे शोभना (कविता कपूर) के सीधे विरोध का सामना करना पड़ता है, जो महाजन परिवार की महिलाओं के काम करने के खिलाफ है।

आगामी एपिसोड में, सही समय का फायदा उठाते हुए, युविका महाजन परिवार के मुखिया भानुप्रताप (पुनीत इस्सर) के पास जाती है और परिवार के कार्यालय में काम करने की इच्छा व्यक्त करती है। हालांकि, उसके प्रस्ताव पर शोभना और धनराज ने कड़ी आपत्ति जताई, जो दृढ़ता से मानते हैं कि महिलाओं को पेशेवर काम में शामिल करना महाजन परिवार के नैतिक मूल्यों के खिलाफ है। अपने ही परिवार में विरोध का सामना करने के बावजूद, युविका महाजन परिवार के दाहिने हाथ विदुर (अलीरज़ा नामदार) से समर्थन मांगने का फैसला करती है। हालांकि जब विदुर उससे कहता है कि वह दादाबाबू (भानुप्रताप) को उसे नौकरी देने के लिए मनाने में उसकी मदद नहीं कर सकता है, तो युविका को निराशा होती है। निराश होकर, युविका जाने लगती है, लेकिन तभी उसे नील (मोहित कुमार) से बहुमूल्य सलाह मिलती है। उसका सुझाव है कि दूसरों से मदद मांगने के बजाय, युविका को अपनी क्षमता को समझना चाहिए और अपनी आकांक्षाओं को स्वतंत्र रूप से हासिल करने का रास्ता खोजना चाहिए। उसके शब्दों से प्रेरित होकर, युविका अपना सफलता का मार्ग प्रशस्त करने के नए दृढ़ संकल्प के साथ विदुर के घर से निकलती है।

क्या युविका महाजन परिवार के पारिवारिक व्यवसाय में शामिल होने में सफल होगी?

युविका का किरदार निभाने वाली, अंजलि तत्रारी ने कहा, ÷युविका क्षमता और दृढ़ संकल्प से भरी है और वह महाजन परिवार के नियम-कायदों को चुनौती देने का फैसला करती है। आगामी कहानी में, दर्शक उसका लचीलापन और महत्वाकांक्षा देखेंगे, जहां वह अपने पारिवारिक व्यवसाय में जाने के लिए खुद को तराशने का प्रयास कर रही है। युविका की कहानी हमें याद दिलाती है कि कभी-कभी, हमें अपने अंदर ही अपना सबसे बड़ा समर्थन मिल सकता है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक उसकी यात्रा से प्रेरित होंगे और युविका की तरह ही अपने सपनों को आगे बढ़ाने का साहस पाएंगे।

सोनी सब का वंशज देखें, प्रत्येक सोमवार से शनिवार रात 10 बजे

(गुरु पूर्णिमा प्रसंग) मनुष्य का कोई गुरु होना क्यों जरूरी है

गुरु गूंगे,गुरु बाबरे, गुरु के रहिये दास,
गुरु जो भेजे नरक को, स्वर्ग कि रखिये आस !

एक बार नारद जी विष्णु जी के पास गए। विष्णु जी ने नारद जी का बहुत आदर किया, और जब नारद जी वहां से निकले तो विष्णु जी ने लक्ष्मी जी से कहा कि, ÷जहां नारद बैठे थे, उस स्थान को शुद्ध करने हेतु गोबर से लिप दो।नारद जी ने ये बात सुन ली, और पुनः अंदर आकर बोले प्रभु! मेरे आने पर आपने आदर भाव दर्शाया और जाते ही मेरे स्थान को पवित्र करने लगे! क्यों ?

विष्णु जी बोले, जब आप अतिथि थे, तब सम्मान के पात्र थे, लेकिन आप के कोई गुरु नही, और (बिना गुरु के) निगुरे के कही बैठने पर स्थान अशुद्ध हो जाता है। इसलिए उसे पवित्र करना जरूरी है।

नारद जी ने दुःखी होकर कहा, प्रभु आप ही बताएं कि मैं किसे अपना गुरु बनाऊं?

विष्णु जी बोले, आप पृथ्वीलोक पर जाइए, और सर्वप्रथम जिससे भेंट होगी उसे ही अपना गुरु बना लीजिएगा।

नारदजी जैसे ही पृथ्वी पर आए उन्हे सबसे पहले एक मछुआरा मिला। लेकिन देव ऋषि नारद जी को ये बिलकुल नहीं भाया की एक मामूली सा मछुआरा उसका गुरु बने।

लेकिन विष्णु जी की आज्ञानुसार उन्होंने मछुआरा से विनती कर उन्हे अपना गुरु बना ही लिया।वो वापस विष्णु भगवान के पास गए और कहा, प्रभु एक तुच्छ मछुआरा, एक अज्ञानी मेरा गुरु कैसे हो सकता है।

विष्णु जी को उनके अभिमान भरे स्वर पर क्रोध आ गया और बोले, नारद, आपने अपने गुरु का अपमान किया है, अतः आपको मैं श्राप देता हु कि, आप 84 लाख योनियों मे घूमकर आयेंगे, तभी आपको क्षमा मिलेगी। नारद जी अत्यंत डर गए, और क्षमा याचना करने लगे।तब माता लक्ष्मी जी ने कहा, नारद! आप अपने गुरु से इसका कोई हल पूछकर क्यों नही आते?

नारद जी, भागते हुए अपने गुरु मछुआरे के पास आए और अपनी व्यथा सुनाई। मछुआरा ने कहा, आप विष्णु भगवान से कहिए की पृथ्वीलोक पर पूरे 84 लाख योनियों का चित्र अंकित कर दे! फिर आगे मैं बताऊंगा क्या करना है!नारद जी ने गुरु की बात विष्णु जी से कही। तब विष्णु जी ने पृथ्वी लोक पर 84लाख योनियों का चित्र अंकित कर दिया।अब मछुआरा ने नारद जी से कहा, शिष्य, आप लेट कर पूरे चित्र पर घूम जाओ। नारद जी लेट कर पूरे चित्र पर घूम गए, तब विष्णु जी मुस्कुराएं और नारद जी को श्राप मुक्त किया। विष्णु भगवान के कहा, गुरु कोई भी हो, वो किसी भी परिस्थिति मे सही ज्ञान देता है।

-संजीव ठाकुर

गुरु पूर्णिमा का महत्व

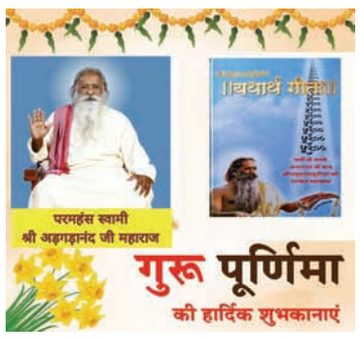

गुरु मनुष्य के अज्ञान को दूर कर ज्ञान का आलोक फैलाता है। गुरु सत मार्ग पर चलाता है।व्यक्तित्व विकास के लिए जो जो सदुण आवश्यक है वे सभी गुरु ही सिखाता है। गुरु का दर्जा ब्रह्मा विष्णु महेश से भी बड़ा बताया है। भगवान श्रीराम,भगवान श्री कृष्ण सभी के गुरु थे जिनसे उन्होंने शस्त्र व शास्त्र का ज्ञान प्राप्त किया।

आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन हम सभी गुरु पूर्णिमा हर्षोल्लास से मनाते हैं।इस दिन अपने अपने गुरु की पूजा करते हैं। जब वर्षा ऋतु शुरू होती है उसी समय गुरु पूर्णिमा आती है।बहुत से साधु संत चार मास तक चौमासा करते हैं। एक जगह रहकर सत्संग करते हैं ज्ञान की गंगा बहाते हैं।मौसम इन चार महीनों में सर्वश्रेष्ठ होता है।न तो इन महीनों में अधिक गर्मी पड़ती है न अधिक सर्दी ही लगती है।वेदव्यास जी का जन्मदिन भी गुरु पूर्णिमा को ही मनाया जाता है। वे संस्कृत के बहुत बड़े विद्वान थे।उन्हें आदिगुरु कहा जाता है।भक्तिकाल के प्रसिद्ध सन्त घीसाराम जी के जन्म को भी गुरु पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने का कार्य गुरु ही करते हैं इसलिए गुरु की पूजा की जाती है। कबीरदास जी कहते थे कि निगुरा न मिले पापी मिले हज़ार।निगुरा वह है जिसके कोई गुरु नहीं है। गुरु के बिना ज्ञान नहीं मिल सकता।परिवार में सन्तान की प्रथम गुरु माँ होती है जो जन्म देती है।सांसारिक ज्ञान देने का काम माँ करती है। अतः प्रातःकाल उठि के रघुनाथा मात पिता गुरु नावहिं माथा। इसलिए भगवान श्रीराम भी सुबह उठकर माता पिता व गुरु के चरण छूते व प्रणाम कर आशीर्वाद लेते थे।सदुरु की कृपा से ईश्वर से साक्षात्कार भी हो सकता है। गुरु वह है जिसने उस तत्व को जाना है। जो तत्वदर्शी हो।गुरु की कृपा से हर कार्य सम्भव हो जाता है। आध्यात्मिक पथ में गुरु मार्गदर्शक के रुप में कार्य करते हैं। वर्षा ऋतु आते ही गरम तवे सी जलती धरती भी शीतल हो जाती है। बादल बरसते ही शांत हो जाती है उसमें फसल पैदा करने की शक्ति आ जाती है। गुरु पूर्णिमा पर शिष्य जब अपने गुरु के पास जाता है तो उसमें योग शक्ति ज्ञान भक्ति आती है जो भी उसके प्रश्न होते है उनके उत्तर मिल जाते हैं। अज्ञान का कोहरा मिट जाता है ज्ञान का प्रकाश फैल जाता है । गुरु पूर्णिमा को हिन्दू बौद्ध जैन सभी धर्मों को मानने वाले मनाते हैं।

श्री गुरु पद नख मणि गण ज्योति।
सुमिरत दिव्य दृष्टि हिय होती।।
गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु गुरु देवो महेश्वरः।
गुरु साक्षात परम् ब्रह्म तस्मे श्री गुरुवे नमः।।
बन्दव गुरु पद,पदुम परागा।
सुरुचि सुबास सरस् अनुरागा।।

इस प्रकार से साधक गुरु की महिमा का गुरु पूर्णिमा के दिन सत्संग करते हैं।

-डॉ. राजेश कुमार शर्मा पुरोहित

सोनी सब के ध्रुव तारा के हर्ष वशिष्ठ उर्फ रवि सक्सेना ने कहा, रवि का किरदार ध्रुव और तारा के बीच की दूरी को कम करने में मदद करेगा

जीएनएस। सोनी सब का 'ध्रुव तारा - समय सदी से परे' एक एपिक रोमांस ड्रामा है जो समय और युग से परे है और 21वीं सदी के न्यूरोसर्जन **ध्रुव** (ईशान धवन) और 17वीं सदी की एक साहसी राजकुमारी तारा (रिया शर्मा) के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है।

हाल ही में, शो में प्रतिभाशाली अभिनेता हर्ष वशिष्ठ को ध्रुव के पिता रवि सक्सेना के रूप में पेश किया गया। यह नया किरदार नए खुलासे और साज़िश लेकर आता है और एक स्पष्ट बातचीत में, हर्ष वशिष्ठ ने रवि सक्सेना की भूमिका निभाने के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया।

1.आपने रवि की भूमिका को जीवंत करने के लिए कैसे तैयारी की, और उनके व्यक्तित्व के किन पहलुओं को प्रदर्शित करना आपको विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण लगता है?

रवि ने अत्यधिक पीड़ा को निःशब्द होने की सीमा तक सहन किया है, जिससे वह अपनी पीड़ा को व्यक्त करने में असमर्थ हो गया है। उसका जो पहलू सबसे अधिक प्रभावशाली साबित होता है, वह उसकी आंखें हैं, क्योंकि उसका चेहरा ढकने वाले बालों के बीच उसकी यही एकमात्र दृश्यमान विशेषता हैं। घनी दाढ़ी और धब्बेदार त्वचा वाले उसके चेहरे में, इन आंखों के अलावा, कोई शायद ही कुछ देख सकता हो। मुझे अपनी आंखों से उसके मानसिक आघात और हताशा को प्रतिबिंबित करना था, और भले ही यह चुनौतीपूर्ण था लेकिन इसमें मज़ा भी बहुत आया।

2.रवि और ध्रुव के बीच पिता-पुत्र का रिश्ता कैसा है, और क्या इसे अलग बनाता है?

जब ध्रुव अपने पिता से मिलता है, तो रवि पहली बार वास्तव में अवास्तविक होता है। यहां तक कि बिना कुछ कहे भी, पिता और पुत्र के बीच रिश्ता साफ दिखता है, और ध्रुव ने स्क्रीन पर अपने पिता के पैरों पर आंसू बहाते हुए इसे खूबसूरती से व्यक्त भी किया है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, रवि और ध्रुव के बीच का रिश्ता और भी बढ़ता व बेहतर होता रहेगा। रवि के लिए, अपने मानसिक आघात से बाहर आना और अपने परिवार, विशेषकर अपने बेटे ध्रुव के साथ रहना, किसी चमत्कार जैसा लगता है। वह अपने बेटे के साथ बिताए हर पल को संजोकर रखेगा और अपने रिश्ते को महत्व देगा।

3. आपके अनुसार ध्रुवऔर तारा के बीच उभरते रोमांस में रवि का किरदार क्या भूमिका निभाएगा?

रवि का किरदार ध्रुव और तारा के बीच की दूरी को कम करने में मदद करेगा, और अंततः उन्हें एक-दूसरे के करीब लाएगा। **ध्रुव** और उसके पिता जिस भावनात्मक उथल-पुथल को सह रहे हैं, उसके बारे में एहसास होने से ही तारा हालात को समझ पाएगी। अलगाव और पीड़ा का उनका साझा सफर ही उनके प्यार और स्नेह का आधार बनेगा। इससे ध्रुव और तारा को विश्वास और एकजुटता की नींव पर रिश्ता बनाने का मौका मिलेगा।

4. दर्शक शो में आपकी इन्ट्री से क्या उम्मीद कर सकते हैं?

शो में रवि की इन्ट्री कहानी में एक दिलचस्प बदलाव लाती है, जहां दर्शकों को 17वीं सदी के कारावास और वर्तमान समय के एक दिलचस्प अनुभव से रूबरू कराया जाता है। ध्रुव, रवि को समय यात्रा करने और 21वीं सदी में लौटने में मदद करने में एक अभिन्न भूमिका निभाएगा। मुझे उम्मीद है कि सक्सेना परिवार न केवल रवि का स्वागत करेगा बल्कि अलगाव और दर्द के उन अनुभवों को भी समझेगा, जिनका सामना ध्रुव ने किया है।

ध्रुव तारा- समय सदी से परे देखना न भूलें, हर सोमवार से शनिवार रात 8:00 बजे, केवल सोनी सब पर

कलाकारों ने चॉकलेट से अपने प्यार और इससे जुड़ी खुशनुमा यादों के बारे में बताया

जीएनएस। चॉकलेट से हम इंसानों का प्यार कई साल पहले शुरू हुआ था और आज भी हर उम्र एवं क्षेत्र के लोग इसका भरपूर आनंद उठाते हैं। इस वर्ल्ड चॉकलेट डे पर एण्डटीवी के कलाकारों ने चॉकलेट को लेकर अपने प्यार एवं इससे जुड़ी खुशनुमा यादों के बारे में बात की। इन कलाकारों में शामिल हैं- आयुध भानुशाली ('दूसरी माँ' के कृष्णा), गज़ल सूद ('हप्पू की उलटन पलटन' की कैट सिंह) और विदिशा श्रीवास्तव ('भाबीजी घर पर हैं' की अनीता भाबी)। आयुध भानुशाली ऊर्फ 'दूसरी माँ' के कृष्णा ने कहा, ''यदि मेरी मां इजाजत दें, तो मैं एक दिन में ही चॉकलेट के पांच से छह बार्स तक खा सकता हूं (हंसते हैं)। चॉकलेट के लिये मेरे प्यार को देखते हुये, वह हमेशा इन्हें मुझसे छिपा कर रखती हैं, लेकिन मैं उसे ढूंढ ही लेता हूं। मुझे याद है कि मेरे बर्थडे पर उपहार के रूप में मुझे ढेर सारे चॉकलेट मिले थे और मेरी मां ने उन्हें सूटकेस में छिपा दिया था। बाद में, जब मैंने अपनी मां से एक चॉकलेट बार मांगा, तो वह एक शर्त पर देने के लिये राजी हुई कि मैं समय पर सोने चला जाऊंगा। उसके बाद जब उन्होंने सूटकेट खोला, तो देखा कि उसमें एक-दो चॉकलेट ही थे। शुरूआत में उन्हें लगा कि उन्होंने चॉकलेट्स कई और रख दिये होंगे और उन्होंने ढूंढना शुरू किया। उन्हें इस तरह चॉकलेट ढूंढते देखकर मैं अपनी हंसी नहीं रोक पाया और जोर-जोर से हंसने लगा। अब वह इस बात का ख्याल रखती हैं कि मैं ढेर सारी चॉकलेट नहीं खाऊं। मुझे पूरा यकीन है कि चॉकलेट से जुड़ी ऐसी मजेदार यादें हर किसी के पास होंगी। मेरी तरफ से सभी लोगों को वर्ल्ड चॉकलेट डे की ढेर सारी शुभकामनायें।''

गज़ल सूद ऊर्फ 'हप्पू की उलटन पलटन' की कैट सिंह ने कहा, ''चॉकलेट और मेरा एक अटूट बंधन है। मुझे चॉकलेट इतना पसंद है कि यदि कोई मुझसे अपना काम करवाना चाहता है, तो मुझे डॉर्क चॉकलेट की रिश्वत देनी होगी (हंसती हैं)। मुझे याद है कि अपने कॉलेज के दिनों में चॉकलेट डे पर मुझे किसी अनजान शख्स से 50 अलग-अलग तरह के चॉकलेट मिले थे। उसे देखकर मैं बहुत खुश हुई थी। मेरे दोस्त मुझे इस बात को लेकर छेड़ने लगे थे और कहते थे कि मेरा कोई सीक्रेट प्रशंसक है, लेकिन वह वाकई में बहुत प्यारा उपहार था। हालांकि, उस दिन वह चॉकलेट्स मुझे किसने दिये थे, यह आज भी रहस्य है। मैं वाकई में उस शख्स का मेरी जिंदगी का 'विल्ली वोंका' बनने के लिये दिल से शुक्रिया कहना चाहती थी। लेकिन वह इंसान आज तक मुझे नहीं मिला। मेरा मानना है कि चॉकलेट का स्वाद चखने से कोई भी खुद को नहीं रोक सकता है। इसलिये, इस खास दिन का जश्न मनाइये और अपने दोस्तों एवं परिवार वालों पर अपना प्यार बरसाते हुये उन्हें उपहार में चॉकलेट दीजिये।'' विदिशा श्रीवास्तव ऊर्फ 'भाबीजी घर पर हैं' की अनीता भाबी ने कहा, ''मैं चॉकलेट और इसके स्वाद की बहुत बड़ी दीवानी हूं। मॉनसून हॉट चॉकलेट का आनंद लेना मेरा एक पसंदीदा काम है। मुझे कभी भी चॉकलेट की क्रेविंग हो सकती है और मैं चॉकलेट का इस्तेमाल कर कुछ मजेदार और मीठा कॉम्बिनेशन्स बनाने की कोशिश करती रहती हूं। मुझे याद है कि एक बार मैं आउटडोर शूट के लिये एक जगह गई थी, जो शहर से थोड़ी दूर था। मैंने अपनी टीम से पूछकर पता किया कि वहां पर आस-पास कोई दुकान है क्या, जहां पर मुझे कुछ चॉकलेट्स मिल जायें। लेकिन बहुत देर हो चुकी थी और बाजार बंद था। मैंने अपने दिमाग को भटकाने की कोशिश की, लेकिन चॉकलेट पर से अपना ध्यान नहीं हटा पा रही थी। बाद में अपने कमरे में, मैंने देखा कि फॉयल पेपर में लपेटकर दो छोटे-छोटे होममेड चॉकलेट और कुछ बिस्किट्स रखे थे। फिर मैंने उन चॉकलेट्स को पिघलाया, उसमें थोड़ा दूध डाला और बिस्किट्स की लेयर्स पर डाला। मैं जब यह सब कर रही थी, तो रात के 2 बजे थे और मुझे अहसास हुआ कि चॉकलेट की अपनी क्रेविंग्स को दूर करने में मुझे लगभग तीन घंटे लगे। तो हां, कई लोगों की तरह, मुझे भी चॉकलेट से बेइंतहां प्यार है।''

देखिये 'दूसरी माँ' रात 8:00 बजे, 'हप्पू की उलटन पलटन' रात 10:00 बजे और 'भाबीजी घर पर हैं' रात 10:30 बजे, हर सोमवार से शुक्रवार, सिर्फ एण्डटीवी पर!

भाजपा के पूर्व मंत्री के यहां हुई वारदात का खुलासा, चार हिरासत में तीन की तलाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा के पूर्व मंत्री के पत्रक मकान में हुई चोरी की वारदात को पारदियों की अंतरराज्यीय गैंग ने अंजाम दिया था। 52 दिन बाद पुलिस की हिरासत में गैंग के चार सदस्य आए हैं। जिनसे चोरी का आधा माल बरामद कर लिया गया है। वारदात में शामिल 3 फरार हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश भूरिया ने बताया कि 10-00 11 मई की रात नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम हरनावदा में रहने वाले नितेश पंड्या के मकान में पीछे के रास्ते से अज्ञात बदमाशों ने सेंध लगाकर 17 लाख से अधिक की नगदी, 12 बोर की बंदूक, चांदी के सिक्के, नारियल और मूर्ति चोरी कर लिया था। नरवर पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया था। वारदात स्थल पर एसपी सचिन शर्मा पहुंचे थे। बदमाशों को पकड़ने के लिए इनाम घोषित किया गया था, नरवर थाना पुलिस के साथ साइबर और क्राइम टीम को सुराग तलाशने के निर्देश जारी किए गए थे। 52 दिन बाद पुलिस ने देवास स्थित रेलवे स्टेशन के समीप से चार पारदी गैंग के सदस्यों को हिरासत में लिया है। जिनसे पूछताछ में ग्राम हरनावदा में हुई चोरी का सुराग मिल गया। गैंग देवास उज्जैन और गुना की रहने वाली है जिनकी निशानदेही पर चोरी में प्रयुक्त दो हाइड्रोलिक कटर, वायर कटर,

पेचकस, टॉमी के साथ चोरी की गई राशि में से 5.73 लाख रुपए नगद, 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक, चांदी के सिक्के, मूर्ति और आभूषण बरामद किए गए। हिरासत में आए पारदी गैंग के 4 सदस्यों के साथ तीन अन्य सदस्यों ने भी वारदात को अंजाम दिया था जिनकी तलाश की जा रही है। गैंग अंतरराज्यीय स्तर पर वारदातों को अंजाम देती है जिनका अपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। सोमवार दोपहर गैंग के चारों सदस्यों को न्यायालय में पेश कर 3 दिनों की रिमांड पर लिया गया है। चोरी की शेष राशि गैंग के फरार सदस्यों के गिरफ्त में आते ही बरामद की जाएगी। गौरतलब हो कि नितेश पंड्या भाजपा के पूर्व राज्य मंत्री शिवनारायण जागीरदार के पुत्र हैं और ग्राम हरनावदा में उनका पैतृक मकान बना हुआ है जहां पुत्र अपने परिवार के साथ निवास करता है।

रेकी करने के बाद तोड़ी थी खिड़की

हिरासत में आए पारदी गैंग के सदस्यों में सुनील पारदी देवास का रहने वाला है वही सुरेंद्र पारदी गुना का निवासी है। गैंग से जुड़ा गौतम पारदी और साहिल पारदी मक्सी रोड पवासा उज्जैन में रहते हैं। सभी आपस में रिश्तेदार हैं पूछताछ में सामने आया कि वारदात से पहले उन्होंने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर रेकी की थी उसके बाद खिड़की तोड़कर वारदात को अंजाम दिया था। चोरी की गई नगदी 17 लाख रुपए आपस में बांट लिए थे। आभूषण और हथियार भी देवास और उज्जैन में छुपा कर रखे थे।

गैंग पकड़ने वाली टीम को इनाम

भाजपा के पूर्व राज्य मंत्री शिवनारायण जागीरदार के पोते लाला चौकीदार ने अपने यहां हुई चोरी की वारदात में शामिल बदमाशों को गिरफ्तार करने वाली टीम को 25 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा की है। लाला चौकीदार में पुलिस से अपील की गई गैंग कुख्यात है जिनके मकानों को भी तोड़ा जाना चाहिए। चोरी की शेष राशि बरामद होने पर इनाम की राशि और बढ़ाई जाएगी।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सांसद श्री फिरोजिया द्वारा पौधारोपण किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सांसद श्री अनिल फिरोजिया द्वारा सोमवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महाकाल सांस्कृतिक वन विक्रम तीर्थ सरोवर पर पौधारोपण कार्य किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अखिलेश कुमार पाण्डेय, वन संरक्षक श्री एमआर बघेल, आयुक्त नगर पालिक निगम श्री रोशन कुमार सिंह, पर्यावरण शुभ सन्देश समिति की प्रभारी श्रीमती प्रीति गोयल तथा वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। सांसद श्री अनिल फिरोजिया एवं अन्य आगन्तुक अतिथियों द्वारा महाकाल सांस्कृतिक वन में बेलपत्र के 1100 पौधों का रोपण किया गया। इसके पश्चात वन मण्डलाधिकारी डॉ.बिसेन के द्वारा सांसद एवं उपस्थित अतिथियों को महाकाल सांस्कृतिक वन में कराये जा रहे कार्यों तथा मधुबनी कला से किये गये चित्रांकन से अवगत कराया गया। सांसद द्वारा महाकाल सांस्कृतिक वन में किये जा रहे कार्यों के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की गई।

गुरु पूर्णिमा पर प्रभात मित्र मंडल ने किया आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रभात मित्र मंडल कोठी रोड़ उज्जैन के तत्वावधान में सोमवार को प्रातःकाल वेदव्यास पुर्णिमा पर गुरू पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।प्रो.बालकृष्ण कुमावत की अध्यक्षता में मंडल के पदाधिकारियों ,सदस्यों तथा अन्य भ्रमण करने आने वाले महानुभावों ने इसमें भाग लिया।कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव हरिलाल सोनिया ने किया।स्वागत भाषण सचिव महेन्द्र नाथ अरोसा ने दिया।प्रो.कुमावत ने गुरु तत्व की सुंदर व्याख्या करते हुए इस बात को रेखांकित किया कि गुरू श्रेष्ठ विचारों का सृजनकर्ता है,इसलिए वह ब्रम्हा का स्वरूप है।गुरू श्रेष्ठ विचारों का पोषण करता है,इसलिए वह विष्णु का स्वरूप है।गुरू कुविचारों का संहार करता है,इसलिए वह महेश का स्वरूप है।

गुरु ब्रम्हा गुरू विष्णः गुरू र्देवो महेश्वराः।
गुरु साक्षात परब्रम्ह,तस्मे श्री गुरुवे नमः॥

श्री रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है कि गुरु के बिना मनुष्य भव-सागर को पार नहीं कर सकता,चाहे वह ब्रम्हा ही क्यों न हों विष्णु ही क्यों न और शंकर ही क्यों न हो,अर्थात इनके समान ही क्यों न हो।

दर्शनार्थियों को सुलभ आवागमन व्यवस्था हमारा उद्देश्य : महापौर

मंत्री, सांसद, विधायक और पार्षदों की उपस्थिति में हुआ बस सेवा का शुभारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हमारे शहर में बाहर से पधारने वाले यात्रियों और स्थानीय दर्शनार्थियों के लिये विभिन्न धर्मस्थलों तक सुलभ आवागमन व्यवस्था उपलब्ध कराना हमारा उद्देश्य है, इसी क्रम में महाकाल लोक एक्सप्रेस उज्जैन दर्शन बस सेवा आरंभ की गई है।

यह बात महापौर श्री मुकेश टटवाल ने कही। आप उज्जैन ट्रांसपोर्ट कम्पनी लि. उज्जैन नगर निगम की ओर से शुरू की गई नवीन बस सेवा के शुभारंभ अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे। आपने कहा कि नगर निगम शहर के नागरिकों और बाहर से पधारने वाले दर्शनार्थियों की भावनाओं का आदर करते हुए अनेक कार्य कर रहा है, इसी तारतम्य में उज्जैन दर्शन बस सेवा महाकाल लोक एक्सप्रेस आज से शुरू की जा रही है।

इस सेवा के अन्तर्गत 4 बसें देवास गेट और महाकाल मंदिर से रवाना होंगी। जो सुबह 8:00 बजे से 2:00 बजे तक और 2:00 बजे से शाम को 8:00 बजे तक दर्शनार्थियों के लिये उपलब्ध रहेंगी। एक बार उज्जैन दर्शन का टिकट लेने पर दिन भर में उस टिकिट से कितनी भी बार दर्शन के लिए जा सकते हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री पारस जैन, महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह, यातायात एवं परिवहन विभाग प्रभारी श्री कैलाश प्रजापत ने हरि झण्डी दिखाकर बसों को रवाना किया।

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य श्री शिवेन्द्र तिवारी, श्री अनिल गुप्ता, श्री रजत मेहता, डॉ. योगेश्वरी राठौर, श्री प्रकाश शर्मा, श्री जितेन्द्र कुवाल, श्रीमति दुर्गा चौधरी, झोन अध्यक्ष श्री विजय सिंह कुशवाह, श्री सुशील श्रीवास, श्री सुरेन्द्र मेहर, श्री संग्राम सिंह भाटिया, पार्षद श्री हेमन्त गेहलोत, श्री पंकज चौधरी, श्री रामेश्वर दुबे, श्री गजेन्द्र हिरवे, श्रीमती आभा कुशवाह, श्रीमती नीलम कालरा, श्रीमती सुरभी चावण्ड, श्रीमती निर्मला करण परमार, यूडीए पूर्व अध्यक्ष श्री जगदीश मालवीय सर्वश्री विजय चौधरी, बालकृष्ण पटेल, विकास मालवीय अपर आयुक्त श्री आशिष पाठक, श्री आदित्य नागर, श्री आर.एस. मण्डलोई, जनसंपर्क अधिकारी श्री रईस निज़ामी उपस्थित थे।

शेड्यूल

प्रारंभ में दो गाड़ी चलाई जाएंगी एक महाकाल मंदिर से सुबह 8:00 बजे से 2:00 बजे तक और 2:00 बजे से शाम को 8:00 बजे तक और दूसरी बस देवास गेट से सुबह 8:00 बजे से 2:00 बजे तक और 2:00 बजे से शाम 8:00 बजे तक एक बस देवास गेट बस स्टैंड से एक बस महाकाल मंदिर से चलाएंगे।

देवास गेट बस स्टैंड से चलने वाली बस सांदीपनि आश्रम, मंगलनाथ, सिद्धवट, काल भैरव, भृतरी गुफा, गढ़कालिका, चिंतामन गणेश, इस्कॉन मंदिर, शनि मंदिर, चार धाम, हरसिद्धि होते हुए महाकाल और लास्ट पॉइंट देवास गेट।

महाकाल से चलने वाली बस चार धाम, हरसिद्धि, इस्कॉन मंदिर, शनि मंदिर, चिंतामन गणेश, भृतरी गुफा, गढ़कालिका, काल भैरव, सिद्धवट, मंगलनाथ, सांदीपनि आश्रम, महाकाल।

शासकीय सेवकों की सेवाओं का सीधा सम्बंध नागरिकों की सन्तुष्टि से है

आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह ने टीएल बैठक में अधिकारियों को सचेत किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जो शासकीय सेवक जन शिकायतों का निराकरण कर नागरिकों को सन्तुष्ट नही कर सकते वे खुद सोचें कि उनकी क्या उपयोगीता है। समस्याओं के समाधान को लेकर चिंतित और गंभीर नहीं होना अब और नहीं चलेगा, अब लापरवाही पर सीधे सख्त कार्यवाही होगी।

यह बात आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह ने कही है। आपने साप्ताहिक समय सीमा बैठक में सीएम हेल्पलाईन, समाधान आनलाईन, उत्तरा पोर्टल पर निगम से सम्बंधित शिकायतों के निराकरण हेतु की गई कार्यवाही की झोनवार समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि आगामी सोमवार से पूर्व शेष समस्त शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करते हुए शिकायतें शून्य करें।

निगम आयुक्त ने कहा मुझे इस बात में कोई दिलचस्पी नहीं कि आपको क्या कार्यवाही करना पड़ेगी, मुझे ये बताएं कि शिकायतों के निराकरण हेतु अब तक क्या कार्यवाही की गई ? समस्त अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्राप्त शिकायतों के संज्ञान में आते ही बिना किसी विलम्ब के निराकरण की कार्यवाही करें। यदि कार्यवाही नहीं की जाना पाया जाता है तो अब और नहीं समझाया जाएगा, अब सीधे कार्यवाही होगी।

आयुक्त द्वारा गंभीरता से शिकायतों का परीक्षण करने पर पाया गया कि प्रकाश विभाग से सम्बंधित अत्याधिक शिकायतें लम्बे समय से लम्बित होने से प्रकाश विभाग के श्री जितेन्द्र पाल सिंह जादौन का वेतन आगामी आदेश तक रोके जाने के निर्देश दिये। इसी प्रकार भवन अनुज्ञा प्रकरण पेन्डिंग होने तथा कम्पाउण्डिक सम्बंधी कार्यवाही में सुस्ती पर सम्बंधित भवन अधिकारियों का वेतन रोकने के भी निर्देश दिये गए। इसी प्रकार सम्पत्तिकर वसूली बेहतर नहीं होने पर समस्त सहायक सम्पत्तिकर अधिकारीयों को कारण बताओ सूचना पत्र देने के निर्देश दिये गए।

निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि निगम स्वामित्व के समस्त सामुदायिक भवनों को ऑन लाईन किया जाए।इस क्रम में झोनल अधिकारी अपने-अपने झोन में स्थित सामुदायिक भवनों की जानकारी निगम आई टी सेल को दें। पीएम स्वनिधि सम्बंधी प्रकरणों का बिना विलम्ब निपटारा किया जाए और पात्रता अनुसार हितग्राहियों को 10 हजार, 20 हजार, तथा 50 हजार की ऋण राशि उपलब्ध कराए जाने हेतु बैंकों से प्रत्यक्ष सम्पर्क कर प्रयास किये जाएं। इस माह 10 हजार के 200, 20-20 हजार के 200 और 50 हजार के 100 प्रकरण स्वीकृत कराए जाकर लाभ दिलाया जाए।

निगम आयुक्त ने विभिन्न न्यायालयों में प्रचलित प्रकरणों से सम्बंधी जानकारी दस्तावेज इत्यादि निगम अभिभाषक को देने और उनसे सतत सम्पर्क करने हेतु सम्बंधित विभागीय अधिकारी अर्थात नियुक्त ओआईसी को निर्देशित करते हुए कहा कि निगम हित की रक्षा आपका दायित्व है, यदि आपकी लापरवाही के कारण निगम को किसी प्रकार की हानि होती है तो समस्त जवाबदारी आपकी होगी।

तरणताल ठेके पर दिये जाने सम्बंधी निविदा प्रकरण में समय पर कार्यवाही नहीं करने पर आयुक्त ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि यह निगम को आर्थिक हानि पहुंचाने वाला कृत्य है। त्वरित कार्यवाही करें।

बैठक में अपर आयुक्त श्री आदित्य नागर, श्री आर.एस. माण्डलोई, उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता, सहायक आयुक्त श्री तेजकरण गुनावदिया, श्रीमती पूजा गोयल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आम आदमी पार्टी ने गुरुपूर्णिमा उत्सव मनाया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर आम आदमी पार्टी द्वारा अंकपात मार्ग पर स्तिथ संत रविदास धाम पर शिरोमणि रविदास जी को चादर चढ़ाकर गुरुपूर्णिमा उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर रविदास जी के भजनों का भजन मंडली द्वारा आयोजन भी किया गया। साथ ही महाआरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर लोकसभा प्रभारी महेश मनचंदिया, लोकसभा सचिव संतोष वर्मा, लोकसभा उपाध्यक्ष हाजी मुस्तताक, लोकसभा सह सचिव निवेदिता गंभीर, जिला सह सचिव वीरेंद्र सिंह अटल , मीडिया प्रभारी दीपक बिजोरे , दिलीप परिहार ग्रामीण सहसचिव , ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष अशोक टिपानिया, डॉ हेमंत परमार, जसवंत कुण्डलवाल, सुभम जादौन,शाकिर पठान, आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

भूतभावन बाबा महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन में 7 करोड ओम नमः शिवाय के जप किए जाएंगे-रवि राय नेता प्रतिपक्ष

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन में पवित्र सावन मास /अधिक मास के अवसर पर 60 दिवस में प्रतिदिन 10,00,000 ओम नमः शिवाय के जप की जाएगी। समिति के रवि राय एवं हरि सिंह यादव ने बताया कि वाल्मीकि धाम पीठाधीश्वर बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज की प्रेरणा एवं स्थानीय संतों के सानिध्य में प्रतिदिन 10,000,00 ओम नमः शिवाय के संगीत की ध्वनि पर जाप किए जाएंगे।

जीवन की सफलता की एकमात्र पूंजी है निस्वार्थ गुरु चरणों में समर्पण - मुनि श्री

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जीवन में सफलता को यदि किसी भी जीव को प्राप्त करना है तो वह एक मात्र साधन है गुरु चरणों में निस्वार्थ भाव से समर्पण क्योंकि बिना गुरु कृपा के किसी का जीवन शुरु हो ही नहीं सकता। संसार का प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में सफल कहीं न कहीं गुरु के प्रति श्रद्धा भक्ति विनय समर्पण से ही होता है। संसार के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कोई न कोई अवश्य हुआ करता है किसी की मां, किसी का पिता, किसी का भाई, किसी का मित्र, किसी की पत्नी गुरु होती है लेकिन यह सभी गुरु संसार में ही भटकाने वाले होते हैं लेकिन सच्चा गुरु तो वही है जो स्वयं संसार से पार होते हैं और आने वाले शरणागत को भी संसार से पार कराते हैं। पूर्णिमा भी आज गुरु के नाम से पूर्णता को प्राप्त हो गई वह आज का दिन था जब तीर्थंकर महावीर को गोतम स्वामी जैसा शिष्य मिला और गोतम जैसे शिष्य को वर्धमान जैसे तीर्थंकर गुरु मिले यह उद्धगार आज श्रमण आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य श्रमण मुनि श्री सुप्रभ सागर जी ने गुरु पूर्णिमा महापर्व के अवसर पर व्यक्त किए मुनि श्री ने कहा कि अनंत उपकार हमारे जीवन में उन गुरु के हैं जिन्होंने मात्र जीवन जीना ही नहीं सिखाया अपितु जीवन जीने के साथ जन्म मरण से मुक्त होने की कला भी सिखाई है आज हम स्मार्ट सिटी में रहने लगे स्मार्टफोन हमारे पास है सब कुछ स्मार्ट हो गया है लेकिन सही मायने में हमारा जीवन स्टार्ट ही नहीं हुआ जीवन को यदि स्टार्ट करना है तो जीवन में एक गुरु का होना अति आवश्यक है इस अवसर पर मंगलाचरण का सौभाग्य मुंबई से पधारे डॉक्टर अरिहंत जैन ने प्राप्त किया गुरु पूजा से शुरू आराधना का क्रम प्रारंभ हुआ जिसमें महाराष्ट्र मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश आदि के अनेक नगरों से आए गुरु भक्तो नेभक्ति करते हुए गुरु चरणों में अपनी विनयांजलि प्रस्तुत की तदोपरांत मुनि के सुमधुर स्वर में गाया हुआ एक अध्यात्मिक भजन ÷मै ज्ञानानंद स्वभावी हूं, मैं ज्ञानानंद स्वभावी हूं ÷ कि लॉन्चिंग के साथ ही सुप्रभ सागर श्रश्च भीलांच किया गया । मुनि श्री की प्रेरणा से श्रुतपंचमी महापर्व पर आयोजित राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता 2023के प्रतियोगियों को भी सम्मानित किया गया। पाद प्रक्षालन का सौभाग्य भरत कुमार जैन अध्यक्ष सकल जैन समाज परासिया ने प्राप्त किया ।एक भक्ति नृत्य कीअनूठी प्रस्तुति भी श्रीसिद्ध क्षेत्र महावीर तपोभूमि के प्रज्ञा कलामंच के कलाकारों ने दी। डॉक्टर सुनील जैन संचय ललितपुर एवं डॉ राजेंद्र जी महावीर सनावद का सम्मान वर्षा योग समिति ने उनके श्रुत संवर्धन के प्रति समर्पण के लिए किया।

प्रधानाचार्य, शासकीय धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

www.ayucollegeujjain.edu.in College (0734-2580895)
E-mail: ayucollegeujjain-mp@mp.nic.in Hospital (0734-2554581)
क्रमांक/स्टोर/2023/2698 उज्जैन, दिनांक- 01/07/2023

निविदा सूचना

शासकीय धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय उज्जैन हेतु प्रतिष्ठित प्रदायकर्ता/कान्ट्रेक्टर से केन्टीन तथा मेस सर्विसेज हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म नियम एवं शर्तें (दस्तावेज) रू. 500/- नगद जमा कर कार्यालय प्रधानाचार्य शासकीय धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय मंगलनाथ रोड उज्जैन (म.प्र.) से कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा जमा करने कर अंतिम तिथि दिनांक 15.07.2023 मध्यान्ह 12.30 बजे तक रहेगा। प्राप्त निविदाये दिनांक 17.07.2023 को अपरान्ह 3.30 बजे नवीन काफ्रेंस हॉल में खोली जायेगी । निविदा खोलते समय निविदाकर्ता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है।

(डॉ. जे.पी. चौरसिया)
प्रधानाचार्य
शासकीय धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा
महाविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)
मो. नं. 989316943

मन्दिर क्षैत्रों में सफाई व्यवस्था ठीक नहीं पाए जाने पर आयुक्त ने की बड़ी कार्यवाही, वेतन वृद्धि रोकी, वेतन काटा और सचेत किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह ने सोमवार को काल भैरव, सिद्धवट, गढ़कालिया इत्यादि मन्दिर क्षैत्रों का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं विशेषकर सफाई व्यवस्थ का जायज़ा लिया। स्थल पर अधिकारीयों को बुलाया और पाई जाने वाली अव्यवस्थाओं पर जबाव तलब किया।

मन्दिर क्षैत्रों और पहुंच मार्गो पर आपने पाया कि सफाई व्यवस्था सन्तोषजनक नहीं है। काल भैरव क्षैत्र में आप करीब एक घंटे तक रूके और सम्बंधित उपायुक्त श्री संजेश गुप्त, झोनल अधिकारी श्री मनोज राजवानी, स्वास्थ्य प्रभारी श्री मोहित मिश्रा सहित मेट, दरोंगा को स्थल पर तलब किया। आपने स्थल की वास्तविक स्थिति पर इन जिम्मेदार अधिकरीयों से स्पष्टीकरण चाहा, लेकिन किसी भी अधिकरी के पास कोई सन्तोषजनक उत्तर नहीं होने से आपने स्वास्थ्य प्रभारी उपयंत्री श्री मोहित मिश्रा की दो वेतन वृद्धि रोकने और क्षैत्रीय दरोगा अनिल घावरी को हटाने के निर्देश दिये। आपने सम्बंधित उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता और झोनल अधिकारी श्री मनोज

राजवानी पर भी नाराजगी प्रकट करते हुए भविष्य के लिये सचेत किया।

सिद्धवट क्षैत्र में निरीक्षण के दौरान समूचित सफाई नहीं होने से सम्बंधित मेट को चेतावनी देते हुए सफाई व्यवस्था व्यवस्थित करने और उपलब्ध अमले का समूचित सदुपयोग करने हेतु निर्देशित किया।

गढकालिका क्षैत्र में जब आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह पहुंचे तो पहुंचते ही आपने मन्दिर से लगे रोड़ पर कचरा जलता हुआ पाया। आपने पूछा कि यह आग किसने लगाई है, जब संबंधित मेट द्वारा सन्तोषजनक उत्तर हनीं दिया तो आपने इस कृत्य पर सख्त नाराजगी प्रकट करते हुए मेट समीर का पन्द्रह दिन का वेतन काटे जाने के निर्देश दिये।

इसी के साथ ही मन्दिर परिसर व रोड पर कचरे की ढेरियां पड़ी होने पर आपने निर्देशित किया कि यह स्थिति ठीक नहीं है, तत्काल इस स्थिति को परिवर्तित किया जाए। मन्दिर से निकट बने सुलभ काम्पलेक्स का भी आपने निरीक्षणकरते हुए सफाई और अन्य सुविधाओं पर सम्बन्धित केयर टेकर से जानकारी प्राप्त कर व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिये।

पार्किंग

काल भैरव क्षैत्र में पार्किंग व्यवस्था पर आपने सम्बधित अधिकारीयों के साथ ही वहां वाहन पार्क करने वाले दर्शनार्थियों से भी चर्चा की। आपने अपर आयुक्त श्री आर.एस. मण्डलोई से चर्चा कर पार्किंग व्यवस्था के सुव्यवस्थित संचालन हेतु निर्देशित किया।

निगम आयुक्त के निर्देशानुसार अपर आयुक्त श्री आर.एस. मण्डलोई ने व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए तत्काल दो वसूली कर्मचारीयों को तैंनात कर नियमानुसार वाहन पार्किंग वसूली आरंभ किये जाने के निर्देश दिये हैं। साथ ही शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के भी निर्देश दिये गए हैं।

धार्मिक स्थलों पर विशेष व्यवस्था

आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह ने सख्त लेहजे में स्वास्थ्य अधिकारीयों को निर्देशित किया है काल भैरव, सिद्धवट, गढ़कालिका, मंगलनाथ, सान्दीपनी आश्रम, हरसिद्धी, महाकाल क्षैत्र सहित समस्त मन्दिर क्षैत्रों में जहां बड़ी संख्या में दर्शनार्थी निरन्तर पधारते हैं एसे स्थलों पर विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निगम अमला हर समय सतर्क रहते हुए यह सुनिश्चित करे कि कहीं किसी भी तरह की गंदगी ना हो।

नागरिक फीडबेक

आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह ने स्वच्छता सर्वेक्षण के क्रम में अधिकाधिक नागरिक फीडबेक प्राप्त करने हेतु निगम अमले को निर्देशित किया। इस क्रम में आपने कहा कि आप सफाई संबंधी जन समस्याओं का त्वरित निराकरण करते हुए आम नागरिकों को विश्वास में लेकर उनसे सकारात्मक फीडबेक कराए जाने के प्रयास करें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता, झोनल अधिकारी श्री मनोज राजवानी, जनसंपर्क अधिकारी श्री रईस निज़ामी उपस्थित रहे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)